

पर्यावरण और समाज पर वैश्विक शोधकर्ताओं का समागम



अवधनामा ब्यूरो

ICES 2025

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 7वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (ICES 2025) Environment and Society विषय पर भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य विषय "Climate Change: Mitigation and Environmental Ethics for Human Well-being" निर्धारित किया गया है। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन के आयोजन में मुख्य भूमिका में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुल सचिव डॉ. महेश कुमार, वित्त अधिकारी संजीव गुप्ता, परीक्षा

नियंत्रक विकास कुमार, उप कुलसचिव मो. सहिल, सहायक कुलसचिव विनायक धर दुबे, इन सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाने की तैयारी और व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा इसे विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि बताया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य संयोजक डॉ. नलिनी मिश्रा, शिक्षाशास्त्र विभाग तथा डॉ. राजकुमार सिंह इतिहास विभाग हैं। इस सम्मेलन का आयोजन भारत की कई प्रमुख वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग से किया जा रहा है।

تکنیکی مہارت اور جدت طرازی وقت کی ضرورت: پروفیسر اے تنجیا لینکو تاج یونیورسٹی میں اسپارکس کلب کی افتتاحی تقریب کا انعقاد

لکھنؤ: خواجہ معین الدین چشتی لینکو تاج یونیورسٹی کے فیکلٹی آف انجینئرنگ اینڈ ٹیکنالوجی کے شعبہ میکینیکل انجینئرنگ میں آج تکنیکی صلاحیتوں اور تخلیقی سوچ کو فروغ دینے کے لیے اسپارکس کلب کا افتتاح وائس چانسلر پروفیسر اے تنجیا کے ہاتھوں انجام پایا۔ یہ تقریب نہایت وقار اور علمی ماحول میں منعقد ہوئی جسے ادارہ جاتی ترقی کے ایک اہم سنگ میل کے طور پر دیکھا جا رہا ہے۔

ترپالھی نے بھی کلب کے قیام کو انقلابی قدم قرار دیتے ہوئے کہا کہ یہ کلب طلبہ کے جدید پروژیکٹس، تجرباتی سرگرمیوں اور تکنیکی مقابلوں کا مرکز ثابت ہوگا۔ شعبہ میکینیکل انجینئرنگ کے اچارج سربراہ ڈاکٹر سید امین حسین رضوی نے اسپارکس کلب کے مقاصد، اُچانچے اور مستقبل کے منصوبوں پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے بتایا کہ اس کلب کے تحت طلبہ کو حقیقی انجینئرنگ مسائل کے حل، تجرباتی، ورکشاپس،



کے افسر مالیہ سنجیو گپتا نے اس موقع پر کہا کہ اسپارکس کلب کا قیام طلبہ کی پیشہ ورانہ ترقی میں بنیادی کردار ادا کرے گا اور یونیورسٹی کی تکنیکی شناخت کو مزید مستحکم بنائے گا۔ ڈائریکٹر فیکلٹی آف انجینئرنگ اینڈ ٹیکنالوجی ڈاکٹر آر کے انٹرایکشن جیسے اہم مواقع فراہم کیے جائیں گے۔ تقریب میں فیکلٹی اراکین سجاد علی، اونی کسن اور وینو کمار کے ساتھ طلبہ نے کثرت کے ساتھ شرکت کی۔

بین الشعبہ جاتی اشتراک ہی موثر، محفوظ اور کم خرچ ادویات کی ایجاد کا راستہ ہے: پروفیسر اے تیجا

لینگویج یونیورسٹی میں تین روزہ بین الاقوامی کانفرنس کا اختتام

لکھنؤ، 19 نومبر 2025: خواجہ معین الدین چشتی زبان یونیورسٹی کے فیکلٹی آف فارمی کے تحت ڈاکٹر اسکری، ڈیپارٹمنٹ اور ڈاکٹر ذلیوری کے اہم موضوع پر تین روزہ بین الاقوامی کانفرنس کا انعقاد کیا گیا جس کا اختتامی اجلاس قحافل ہال میں 17 سے 19 نومبر تک منعقد ہونے والی اس اہم سائنسی کانفرنس نے عالمی تحقیق، جدید دوا سازی، صحت عامہ میں درجہ اولیٰ تحقیق اور مستقبل کی سائنسی حکمت عملیوں پر جامع گفتگو کے روٹن امکانات پیدا کیے۔ اس کانفرنس میں بین الاقوامی ماہرین اور مقررین کی شرکت رہی جنہوں نے اپنے خطبوں اور تقریروں اس موضوع کی مختلف جہات اور ابعاد کا نہ صرف روش منور کیا بلکہ اس حوالے سے درجہ اولیٰ مسائل پر بھی سیر حاصل گفتگو کی۔ ان سہ روزہ کانفرنس میں ادویات کی ایجاد کے جدید طریقہ کار، بیماریوں کے بدلے رہنمائی، مارگٹ ڈاکٹر ذلیوری سسٹمز اور انٹرنی ڈائیڈی کے اشتراک کی ضرورت جیسے سے مباحثہ پر ماہرین اور محققین نے اظہار خیال کیا۔ اس اختتامی اجلاس کی صدارت پروفیسر اے تیجا نے کی اور انہوں نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ اس طرح کے سائنسی اجلاس نہ صرف علمی تہاڑے کا ذریعہ بنتے ہیں بلکہ مختلف شعبہ جات کے ماہرین کو ایک پلیٹ فارم پر لا کر تحقیق کو عملی شکل دینے میں مدد دیتے ہیں۔ کیمسٹری، بائیولوجی، فزکس، مائیکرو بائیولوجی، فارمی اور دوا سازی صنعت کے باہمی تعاون سے ہی



موثر، محفوظ اور کم خرچ ادویات کی ایجاد ممکن ہو سکتی ہے۔ انہوں نے مزید کہا کہ اس نوعیت کی کانفرنس نہ صرف علمی تہاڑے کا بھرپور ذریعہ ثابت ہوتی ہیں بلکہ طلبہ، محققین اور صنعت سے منسلک افراد کے درمیان تعاون کے نئے دروازے کھولتی ہیں۔ اس طرح کے اجتماعات سے نوجوان محققین کو عالمی سطح کی تحقیق سے آگاہی ملتی ہے اور عملی میدان میں ان کی راہنمائی ہوتی ہے۔ اس اہم کانفرنس کے اختتامی

اجلے بائیو ٹکنالوجی ریسرچ سوسائٹی، ڈاکٹر اسکری، ڈیپارٹمنٹ اور ڈاکٹر ذلیوری کے اہم موضوع پر تین روزہ بین الاقوامی کانفرنس کا انعقاد کیا گیا جس کا اختتامی اجلاس قحافل ہال میں 17 سے 19 نومبر تک منعقد ہونے والی اس اہم سائنسی کانفرنس نے عالمی تحقیق، جدید دوا سازی، صحت عامہ میں درجہ اولیٰ تحقیق اور مستقبل کی سائنسی حکمت عملیوں پر جامع گفتگو کے روٹن امکانات پیدا کیے۔ اس کانفرنس میں بین الاقوامی ماہرین اور مقررین کی شرکت رہی جنہوں نے اپنے خطبوں اور تقریروں اس موضوع کی مختلف جہات اور ابعاد کا نہ صرف روش منور کیا بلکہ اس حوالے سے درجہ اولیٰ مسائل پر بھی سیر حاصل گفتگو کی۔ ان سہ روزہ کانفرنس میں ادویات کی ایجاد کے جدید طریقہ کار، بیماریوں کے بدلے رہنمائی، مارگٹ ڈاکٹر ذلیوری سسٹمز اور انٹرنی ڈائیڈی کے اشتراک کی ضرورت جیسے سے مباحثہ پر ماہرین اور محققین نے اظہار خیال کیا۔ اس اختتامی اجلاس کی صدارت پروفیسر اے تیجا نے کی اور انہوں نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ اس طرح کے سائنسی اجلاس نہ صرف علمی تہاڑے کا ذریعہ بنتے ہیں بلکہ مختلف شعبہ جات کے ماہرین کو ایک پلیٹ فارم پر لا کر تحقیق کو عملی شکل دینے میں مدد دیتے ہیں۔ کیمسٹری، بائیولوجی، فزکس، مائیکرو بائیولوجی، فارمی اور دوا سازی صنعت کے باہمی تعاون سے ہی

भाषा विवि में संविधान दिवस की दिलाई गई शपथ

- साइबर फॉरेंसिक व संविधान पर हुआ मंथन
- न्यायमूर्ति रिजवी ने डिजिटल गोपनीयता पर किया संबोधन
- डिजिटल अधिकारों पर विशेषज्ञों की अहम चर्चा

अवधनामा ब्यूरो



लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में विधि अध्ययन संकाय द्वारा 76वां संविधान दिवस-हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी, लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन प्रोफेसर बंसी धर सिंह, अधिवक्ता मननजय कुमार मिश्र तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस वर्ष समारोह का विषय था - साइबर फॉरेंसिक और संविधान-गोपनीयता, निगरानी एवं डिजिटल अधिकार। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप

प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने अतिथियों, संकाय सदस्यों और छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि न्यायाधीश, प्रोफेसर और अधिवक्ता - इन तीनों का एक पैनल इस विषय की संवैधानिक, तकनीकी और कानूनी जटिलताओं को समझने के लिए आदर्श है। उन्होंने डिजिटल युग में संवैधानिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर बल देते हुए सभी को संविधान दिवस की शपथ भी दिलाई। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी ने 2017 में गोपनीयता को मौलिक अधिकार घोषित किए जाने की पृष्ठभूमि समझाई और डिजिटल युग में बढ़ते गोपनीयता संकटों पर प्रकाश डाला।

आयुषी तलवार और शीना बोरा हत्याकांड जैसे मामलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार डिजिटल फॉरेंसिक उन मामलों में भी सच उजागर करती है, जहाँ पारंपरिक तरीके विफल हो जाते हैं। उन्होंने जांच एजेंसियों द्वारा निगरानी और नागरिक के गोपनीयता अधिकार के बीच संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया। डिजिटल डेटा में हेरफेर की संभावनाओं को देखते हुए उन्होंने सेक्शन 65बी प्रमाणन की अनिवार्यता को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस निगरानी को जन-सर्वेक्षण का उपकरण नहीं बनाया जा सकता और साइबर फॉरेंसिक एक विकसित होता हुआ विधिक क्षेत्र है।

भाषा विश्वविद्यालय में पीएचडी शोधार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम संपन्न

■ कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने शोधार्थियों को दी शुभकामनाएँ

■ शोध को इंडस्ट्री-आधारित बनाने पर कुलपति ने दिया जोर

■ विश्वविद्यालय की उन्नत सुविधाएँ व डिजिटल संसाधनों से कराया अवगत

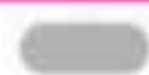
अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में पीएचडी शोधार्थियों के लिए एक स्वागत और परिचयात्मक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का सफल आयोजन विवि के अटल हॉल में किया गया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य नए शोधार्थियों को संस्थान की नीतियों, शोध प्रक्रियाओं, और अकादमिक संसाधनों से परिचित कराना था। ओरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। जिसके बाद सभी अतिथियों का स्वागत शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का स्वागत भाषण देते हुए प्रो चन्दना डे ने कहा कि



हमारे विश्वविद्यालय में उन्नत लाइब्रेरी, डिजिटल संसाधन केंद्र और अनुसंधान मार्गदर्शन समितियाँ उपलब्ध हैं। यहाँ डेस्कटॉप पब्लिशिंग, वीडियो प्रोडक्शन और आईसीटी आधारित कोर्स आपके कौशल को निखारेंगे। प्रो डे ने मुख्य वक्ता का स्वागत और परिचय भी कराया। कार्यक्रम की अगली श्रृंखला में मीडिया समन्वयक डॉ रचिता सुजॉय चौधरी ने विश्वविद्यालय के पीएचडी ऑर्डिनेंस के माध्यम से सभी शोधार्थियों को अवगत कराया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो अजय तनेजा ने नवागंतुक पीएचडी शोधार्थियों का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम आपके शोध यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है, जहाँ शोध अध्ययन आपको उच्च शिक्षा के मूल्यों, अनुसंधान की चुनौतियों और अवसरों से परिचित कराता है। कुलपति

प्रो अजय तनेजा ने शोध की अवधारणा और उसकी बारीकियों पर प्रकाश डाला साथ ही कहा कि किसी भी विभाग के लिए शोधार्थी मील का पत्थर साबित होंगे। प्रो तनेजा ने अपने संबोधन में नए शोधार्थियों को शिक्षण व अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कर्ष की कामना की और संस्थान में उपलब्ध सहयोगी माहौल पर भी प्रकाश डाला। प्रो तनेजा ने कहा कि शोधार्थियों के अध्ययन के विषय इंडस्ट्रीज बेस्ड होना चाहिए ताकि भविष्य के लिए समाज लाभान्वित हो सके। कुलपति ने सभी शोधार्थियों को ज्ञान के साथ नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। आपने कहा कि सभी शोधार्थियों को 5.0 तकनीक को जल्द से जल्द सीखने की आवश्यकता पर भी बल दिया। प्रो तनेजा ने कहा कि सभी शोधार्थियों को अपने पर्यवेक्षक के साथ ही मिलकर शोध की यात्रा को तय करना होता है।



व्यावहारिक जीवन में सफलता सहयोग और समन्वय से मिलती है: प्रो. सोबान

■ भाषा विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह



अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए बज़्म-ए-अदब की ओर से स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बी.ए. प्रथम वर्ष और एम.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में पीएच.डी. के छात्र और बज़्म-ए-अदब के सचिव मोहम्मद नसीम ने विद्यार्थियों और शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि यद्यपि यह कार्यक्रम कुछ विलम्ब से आयोजित किया जा रहा है, लेकिन 'देर आये दुरुस्त आये' के सिद्धांत के अनुसार यह एक सुखद अवसर है। उन्होंने नवागंतुक विद्यार्थियों से कहा कि इस विभाग की विशेषता यह है कि यहाँ के शिक्षक

कक्षा शिक्षण के साथ-साथ विद्यार्थियों की शैक्षिक और नैतिक उन्नति में हर समय उनकी मार्गदर्शन करते हैं। मोहम्मद नसीम के स्वागत भाषण के बाद नवागंतुक शोधार्थियों, एम.ए. प्रथम वर्ष और बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने अपना परिचय प्रस्तुत किया और कहा कि इस विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे एक जिम्मेदार नागरिक बनना चाहते हैं ताकि समाज और देश की तरक्की और खुशहाली में योगदान दे सकें। विद्यार्थियों ने शिक्षकों को यह आश्वासन दिया कि वे पूर्ण मेहनत और ईमानदारी के साथ शिक्षा प्राप्त करेंगे ताकि भाषा और संस्कृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। स्वागत समारोह में उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सौबान सईद ने अपने संबोधन

में नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का जीवन केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होता बल्कि यह मानवीय व्यक्तित्व, सोच और क्षमताओं को निखारने का सुनहरा दौर होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वास दिलाया कि उर्दू विभाग के शिक्षक और वरिष्ठ विद्यार्थी हर चरण पर उनकी मदद, मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन के लिए उपस्थित रहेंगे जिससे उनका शैक्षिक सफर आसान और सार्थक बन सके। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे विश्वविद्यालय के वातावरण से भरपूर लाभ उठाएँ, अनुशासन और समय की कद्र को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएँ, आत्मविश्वास को मज़बूत रखें और निरंतर सीखने की भावना विकसित करें।



عملی زندگی میں کامیابی تعاون اور ہم آہنگی سے ملتی ہے: پروفیسر ثوبان سعید

لینگویج یونیورسٹی کے شعبہ اردو میں نوار د طلبہ کے لیے استقبالیہ تقریب



اس بات پر زور دیا کہ ایسی تحریکات طلبہ میں اعتماد، بیان کی مہارت، تخلیقی شعور اور عملی زندگی کے ہدایت کو مضبوط کرتی ہیں۔ انھوں نے اس بات کا اعتراف کیا کہ شعبہ اردو کے اساتذہ بزم ادب کی سرگرمیوں کے ذریعے طلبہ کو کلاس روم سے باہر ایک وسیع علمی فضا فراہم کرتے ہیں جہاں وہ اپنی صلاحیتوں کو آزما سکتے ہیں اور اپنی شخصیت کو بہتر طور پر نکھار سکتے ہیں۔ اس تقریب میں طلبہ نے غزلیں، نظمیں، مزاحیہ تقاریر، ادبی لطائف اور دیگر تخلیقی مظاہرے پیش کئے۔ اس کے ساتھ ہی بزم ادب کے زیر اہتمام مقابلہ ہائی فشت منعقد ہوئی جس میں طلبہ نے بھرپور حصہ لیا۔ اس تقریب کی نظامت ریسرچ اسکالر حسن اکبر اور شکر علیہ کے کلمات ریسرچ اسکالر عبداللہ نے ادا کئے۔

مضبوط نہیں اور مسلسل سیکھنے کا جذبہ پیدا کر سکیں۔ پروفیسر ثوبان سعید نے اس بات پر زور دیا کہ عملی زندگی میں کامیابی آپنی آتی کو ملتی ہے جو تعاون، ہم آہنگی اور اتفاق کے ساتھ آگے بڑھتا ہے۔ آخر میں انھوں نے طلبہ کے روشن کامیاب اور باوقار مستقبل کے لیے نیک خواہشات کا اظہار کیا۔ اس موقع پر پروفیسر فخر عالم نے استقبالیہ تقریب کے کامیاب انعقاد پر بزم ادب کو مبارکباد پیش کرتے ہوئے کہا کہ شعبہ اردو کی یہ روایت نہایت قابل قدر ہے کہ وہ ہر سال نوار د طلبہ کے لیے اس نوعیت کے پروگرام منعقد کرتا ہے۔ انھوں نے کہا کہ بزم ادب محض ایک ادبی انجمن نہیں بلکہ یہ طلبہ کی فستکری تربیت، تخلیقی صلاحیتوں کی آبیاری اور ادبی ذوق کی نشوونما کا اہم پلیٹ فارم ہے۔ پروفیسر فخر عالم نے اپنے خطاب میں

کہ وہ پوری محنت اور دیانت داری کے ساتھ تعلیم حاصل کریں گے تاکہ زبان اور لکھنے کے تحفظ میں فعال کردار ادا کر سکیں۔ اس استقبالیہ تقریب میں شعبہ اردو کے صدر پروفیسر ثوبان سعید نے اپنے خطاب میں نوار د طلبہ کو خوش آمدید کہتے ہوئے کہا کہ یونیورسٹی کی زندگی محض کتابی علم تک محدود نہیں ہوتی بلکہ یہ انسانی شخصیت، سوچ اور صلاحیتوں کو نکھارنے کا سنہرادرورہوتا ہے۔ انھوں نے طلبہ کو تقسیم دلایا کہ شعبہ اردو کے اساتذہ اور ریسرچ طلبہ ہر مرحلے پر ان کی رہنمائی، مدد اور حوصلہ افزائی کے لیے موجود ہیں گے تاکہ تعلیمی سفر ان کے لیے آسان اور با مقصد بن سکے۔ انھوں نے طلبہ کو مشورہ دیا کہ وہ یونیورسٹی کے ماحول سے بھرپور فائدہ اٹھائیں، نظم و ضبط اور وقت کی قدر کو اپنی روزمرہ زندگی کا حصہ بنائیں، خود اعتمادی کو

ہوتی ہے جو زندگی کے ہر پیچ مراحل سے سرخرو کرنے میں ان کی رہنمائی کر سکتے ہیں۔ انھوں نے زبان اور لکھنے کے ربط باہم کے تناظر میں اردو پڑھنے کی اہمیت کو بیان کیا اور نوار د طلبہ سے کہا کہ اس شعبے کی انفرادیت یہ ہے کہ یہاں کے اساتذہ کلاس روم کی تدریس کے ساتھ طلبہ کی تعلیمی اور اخلاقی تربیت میں ہر وقت ان کی رہنمائی کرتے ہیں۔ محمد نسیم کے استقبالیہ کلمات کے بعد نوار د ریسرچ اسکالر حسن اکبر نے اس سال اول کے طلبہ نے اپنا تعارف پیش کیا اور کہا کہ اس یونیورسٹی سے اعلیٰ تعلیم کے حصول کے بعد وہ ایک ذمہ دار شہرہ بننے کی کوشش کریں گے تاکہ اپنے سماج اور ملک کی ترقی و خوشحالی میں تعاون کر سکیں۔ ان طلبہ نے اساتذہ کو یہ یقین دلایا

لکھنؤ، 20 نومبر 2025: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے شعبہ اردو میں نوار د طلبہ کے لیے استقبالیہ تقریب کا انعقاد بزم ادب کی جانب سے کیا گیا۔ اس تقریب میں بی اے سال اول اور ایم سال اول کا استقبال کیا گیا۔ اس استقبالیہ تقریب میں بی اے سال اول کے طالب علم اور بزم ادب کے سرپرستی محمد نسیم نے طلبہ اور اساتذہ کا خوش آمدید کہتے ہوئے کہا کہ اگرچہ یہ تقریب کچھ تاخیر سے منعقد ہو رہی ہے مگر دیر آید درست آید کے مصداق یہ ایک خوشگوار موقع ہے۔ انھوں نے اپنے استقبالیہ کلمات میں اردو زبان و ادب میں بی اے اور ایم اے کرنے والے طلبہ ان مہنوں میں خوش نصیب ہیں کہ انھیں ادبی نگارشات کے توسط سے حیات و کائنات کے ایسے اسرار سے آگاہی

عملی زندگی میں کامیابی تعاون اور ہم آہنگی سے ملتی ہے: پروفیسر ثوبان سعید

لینگوتج یونیورسٹی کے شعبہ اردو میں نووارد طلبہ کے لیے استقبال تقریب



کی فکری تربیت، تخلیقی صلاحیتوں کی آبداری اور ادبی ذوق کی نشوونما کا اہم پلیٹ فارم ہے۔ پروفیسر فخر عالم نے اپنے خطاب میں اس بات پر زور دیا کہ انکی تقریبات طلبہ میں اعتماد، بیان کی مہارت، تخلیقی شعور اور علمی وابستگی کے جذبات کو مضبوط کرتی ہیں۔ انھوں نے اس بات کا اعتراف کیا کہ شعبہ اردو کے اساتذہ بزم ادب کی سرگرمیوں کے ذریعے طلبہ کو کلاس روم سے باہر ایک وسیع علمی فضا فراہم کرتے ہیں جہاں وہ اپنی صلاحیتوں کو آزما سکتے ہیں اور اپنی شخصیت کو بہتر طور پر نکھار سکتے ہیں۔ اس تقریب میں طلبہ نے غزلیں، نظمیں، محاورے، نثر، اردو ادبی لطائف اور دیگر تخلیقی مظاہرے پیش کئے۔ اس کے ساتھ ہی بزم ادب کے زیر اہتمام مقابلہ جاتی نشست منعقد ہوئی جس میں طلبہ نے سرشار حصہ لیا۔ اس تقریب کی شکست و سیرق اساتذہ حسن اکبر اور فخریہ کے کلمات و سیرق اساتذہ مہدات نے ادا کئے۔

صدر پروفیسر ثوبان سعید نے اپنے خطاب میں نووارد طلبہ کو خوش آمدید کہتے ہوئے کہا کہ یونیورسٹی کی زندگی محض کتابی علم تک محدود نہیں ہوتی بلکہ یہ انسانی شخصیت، سوچ اور

یونیورسٹی کی زندگی محض کتابی علم تک محدود نہیں ہوتی بلکہ.....

صلاحیتوں کو نکھارنے کا سہرا دور ہوتا ہے۔ پروفیسر ثوبان سعید نے اس بات پر زور دیا کہ عملی زندگی میں کامیابی اسی کو ملتی ہے جو تعاون، ہم آہنگی اور اتفاق کے ساتھ آگے بڑھتا ہے۔ آخر میں انھوں نے طلبہ کے روشن

لکھنؤ (قومی بھارت) لنوائیہ معین الدین چشتی لینگوتج یونیورسٹی کے شعبہ اردو میں نووارد طلبہ کے لیے استقبال تقریب کا انعقاد بزم ادب کی جانب سے کیا گیا۔ اس تقریب میں بی اے سال اول اور ایم اے سال اول کا استقبال کیا گیا۔ اس استقبال تقریب میں بی اے ایچ ڈی کے طالب علم اور بزم ادب کے سکریٹری محمد نسیم نے طلبہ اور اساتذہ کا خوش آمدید کہتے ہوئے کہا کہ اگرچہ یہ تقریب کچھ تاخیر سے منعقد ہو رہی ہے مگر وہ آید درست آید کے مصداق یہ ایک خوشگوار موقع ہے۔ انھوں نے اپنے استقبال کلمات میں اردو زبان و ادب میں بی اے اور ایم اے کرنے والے طلبہ ان معنوں میں خوش نصیب ہیں کہ انھیں ادبی نگارشات کے توسط سے حیات و کائنات کے ایسے سراسر آگے آگے ہوتے ہیں جو زندگی کے ہر چھ مراحل سے سرگرم گزارنے میں ان کی رہنمائی کر سکتے ہیں۔ اس استقبال تقریب میں شعبہ اردو کے

भाषा विवि की टीमों क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए होंगी रवाना



अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने अलीगढ़ विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 22 नवंबर से 2 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली पुरुष क्रिकेट चैंपियनशिप प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कीड़ा परिषद के सचिव मोहम्मद शारिक की उपस्थिति में कुलपति और खिलाड़ियों के बीच संवाद हुआ। इस बैठक में कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा जी ने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दीं और क्रिकेट खेल में अनुशासन बनाए रखने की महत्वपूर्ण सलाह दी। कुलपति ने खिलाड़ियों से यह आग्रह

किया कि खेल के दौरान उनका आचरण उत्कृष्ट होना चाहिए, ताकि वे न केवल खेल में बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सफलता प्राप्त कर सकें। एमसी भाषा विश्वविद्यालय की टीम 21 नवम्बर को अलीगढ़ विश्वविद्यालय के लिए प्रस्थान करेगी। इस टीम का मार्गदर्शन मोहम्मद शारिक (मैनेजर) द्वारा किया जाएगा। टीम की सफलता के लिए पूरे विश्वविद्यालय परिवार की शुभकामनाएं उनके साथ हैं। इस प्रतियोगिता में शामिल होने से खिलाड़ियों को न केवल अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा, बल्कि उन्हें अन्य विश्वविद्यालयों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का भी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त होगा। इस अवसर पर डॉ. बुशरा अल्वीरा (सदस्य, क्रीड़ा परिषद), प्रो० सैयद हैदर, डॉ. हसन मेहदी, डॉ० राजकुमार उपस्थित रहे।



भाषा विवि में विधि के विद्यार्थियों की आसान होगी कैरियर की राह

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अब विधि (लॉ) की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए कैरियर की राह और आसान होगी। विश्वविद्यालय ने एसोसिएशन फॉर एडवोकेसी एंड लीगल इनिशिएटिव्स (एएएलआई) के साथ एमओयू किया है, जिसके तहत विद्यार्थियों को न सिर्फ सैद्धांतिक शिक्षा मिलेगी, बल्कि वकालत के व्यावहारिक पहलुओं की भी समझ विकसित की जाएगी।

विश्वविद्यालय और एएएलआई संस्था के बीच एमओयू, विधिक साक्षरता व इंटरशिप के अवसर बढ़ेंगे

एमओयू का उद्देश्य कानूनी साक्षरता, लैंगिक समानता, मानवाधिकार संरक्षण और सामाजिक न्याय से जुड़े विषयों पर विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना है। साथ ही सेमिनार और कार्यशालाओं के माध्यम से उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। अब तक विवि में इंटरशिप की औपचारिक व्यवस्था नहीं थी। एमओयू के बाद छात्रों को विधिक सहायता, इंटरशिप और फील्ड एक्सपोजर जैसे अवसर प्राप्त होंगे।

■ सीमाओं में रहकर खुद को सुरक्षित रखने की सीख : एमओयू हस्ताक्षर से पहले एएएलआई की ओर से 'सीमाओं को समझना और सुरक्षित रहना' विषय पर कार्यशाला हुई। इसमें विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सीमाओं, सहमति और कानूनी सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही स्टॉकिंग जैसे गंभीर विषयों पर भारतीय कानून में उपलब्ध विधिक उपायों को भी समझाया गया। (संवाद)

“ इस एमओयू से विश्वविद्यालय और एएएलआई के बीच सैद्धांतिक व सामाजिक सहयोग की मजबूत नींव रखी गई है। यह युवाओं में संवेदनशीलता, न्याय की समझ और विधिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। - प्रो. अजय तनेजा, कुलपति, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय

خیال اور اسکرپٹ ہی کامیاب فلم کی بنیاد ہیں: ہیمنٹ تیواری

لینکو و تچ یونیورسٹی میں طلبہ میں فلم میکنگ کے تخلیقی جوہر کو نکھارنے کے لیے ورکشاپ کا انعقاد

لکھنؤ (پریس ریلیز) :

خواجہ معین الدین چشتی لکھنؤ جیونیورسٹی کے شعبہ ۲ صحافت و ایوارڈ عامہ کی جانب سے وائس چانسلر پروفیسر ایچ بیجیا کی صدارت میں آج ایک روزہ قلم میٹنگ ورکشاپ کا انعقاد اہل ہل میں کیا گیا۔ اس ورکشاپ کا مقصد طلبہ کو قلم سازی کے عملی مراحل، تخلیقی پہلو و اس اور تخلیقی زاویہ ؟ نظر سے روشناس کرانا تھا۔ اس ورکشاپ میں وائس چانسلر پروفیسر ایچ بیجیا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ قلم غرض افریح کا ذریعہ نہیں بلکہ ایک طاقتور ابلاغی وسیلہ ہے جو معاشرتی شعور کو بیدار کرنے، سماجی مسائل کو اجاگر کرنے اور مثبت تبدیلی لانے کی صلاحیت رکھتا ہے۔ انھوں نے کہا کہ آج کے ڈیجیٹل دور میں قلم سازی کا فن ہر طالب علم کے لیے سیکھنا ضروری ہو گیا ہے۔ نکلے عصری ابلاغی مستقبل کا سب سے موثر ذریعہ بننا چاہا رہا ہے۔ پروفیسر بیجیا نے طلبہ کو نصیحت کی کہ وہ قلم میٹنگ کو صرف پیشہ نہیں بلکہ اظہار خیال اور تخلیقی اظہار کے ایک ذمہ دارانہ عمل کے طور پر



اپنا میں۔ انھوں نے حرج کہا کہ یونہی ہی رہیں۔
ایسے پلیٹ فارم فراہم کرتی رہے گی جہاں وہ اپنی گفتگو
مصلحتوں کو عملی شکل دے سکیں۔

اس دور کثاپ کے مہمان خصوصی اور مرکزی مقرر معروف فلم ساز احمد جباری نے اپنے خطاب میں فلم میکانک کے عملی اور تخلیقی دونوں پہلوؤں پر تفصیل سے روشنی ڈالی۔ انھوں نے کہا کہ ایک کامیاب فلم کی بنیاد ہمیشہ ایک مضبوط خیال اور بے اندازہ محنت پر ہوتی

ہے۔ ان کے مطابق کہانی ہی دھڑلے سے جو فلم کو زندگی بخشتی ہے اس لیے فلم ساز کو سب سے پہلے اپنی کہانی پر پوری ایمانداری سے کام کرنا چاہیے۔ انھوں نے طلبہ کو مشورہ دیتے ہوئے کہا کہ اسکرپٹ رائٹنگ میں کرداروں کی نفسیات، مکالموں کی فطری روانی اور مظہر نامے کی معنویت پر خاص توجہ دینی چاہیے۔ اسٹوری بورڈنگ کے مرحلے کو انھوں نے فلم کا "نقشہ" قرار دیا جو حیات کار کو اسے تخلیقی ڈاٹن کو مکملی جامہ

پہنانے میں مدد دیتا ہے۔ کہامت تیماری نے ایک لائحہ
ذیابویشن میں طلبہ کے ساتھ ایک شارٹ فلم کی شوٹنگ
بھی کر لی جس کے دوران طلبہ نے کیمروں، انگل، نیو نیو
لرینٹ، ساڈ 7 ٹڈر پکارا رنگ اور وچ وکل کمپوزیشن کا عملی
تجربہ حاصل کیا۔ اپنے خطاب کے اختتام پر کہامت
تیماری نے کہا کہ فلم ایک انتہائی فن ہے، جس میں نیم
ورک، صبر اور سلیڈ لازمی ہے۔ انھوں نے طلبہ کو یقین
دلایا کہ اگر وہ لگن، مشق اور مطالعہ کے ساتھ آگے بڑھیں
تو ان کے لیے فلم انڈسٹری میں کامیابی کے دروازے
ضرور کھلیں گے۔ شعبہ 7 صحافت و ابلاغ عامہ کی
انچارج ڈاکٹر زچینا کھنئے چوہری نے بتایا کہ یہ
درکشاپ شعبے کی باقاعدہ تعلیمی سرگرمیوں کا حصہ جس کا
مقصد طلبہ کو عملی تربیت فراہم کرنا ہے۔ ان کے مطابق فلم
میکنگ صرف تکنیک نہیں بلکہ ایک نقطہ نظر ہے
جو سوچنے، دیکھنے اور پیش کرنے کا نیا طریقہ سکھاتی
ہے۔ اس درکشاپ میں ڈاکٹر فہمیدر شیکھر، ڈاکٹر کاکرم
رضوی، ڈاکٹر محمد نصیب کے علاوہ طلبہ بھی موجود تھے۔

पाँच तकनीकी सत्रों में शोध और नवाचार पर हुई विस्तृत चर्चा

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के फार्मैसी संकाय द्वारा दवा खोज, विकास एवं औषधि वितरण-2025 (ICD5-2025) विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 17 से 19 नवम्बर 2025 तक विश्वविद्यालय के अटल हॉल में किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वान शिक्षाविद, वरिष्ठ वैज्ञानिक, शोधकर्ता तथा प्रतिष्ठित औषधि उद्योगों के विशेषज्ञ आधुनिक फार्मैसी, नयी अनुसंधान प्रवृत्तियों और उभरती तकनीकों पर अपने विचार साझा कर रहे हैं। पूरे आयोजन का संचालन माननीय कुलपति प्रो० अजय तनेजा एवं संयोजन भेषजी विभाग की डायरेक्टर प्रो० शालिनी त्रिपाठी के नेतृत्व में किया जा रहा है।

18 नवम्बर को आयोजित वैज्ञानिक गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर पाँच तकनीकी



सत्र संपन्न हुए, जिनमें औषधि विकास, जैव-प्रौद्योगिकी, नैनो-चिकित्सा तथा सटीक औषधि-प्रेषण प्रणालियों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

प्रथम सत्र : औषधि विकास एवं प्राकृतिक स्रोतों पर आधारित अनुसंधान इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. सारिका सिंह (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीडीआरआई) ने की।

सी-मैप के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एन. पी. यादव ने प्राकृतिक औषधियों के विकास पर अपना मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि लैवेंडर के आवश्यक तेल तथा उसके प्रमुख तत्व लीनालूल और लीनालाइल

एसीटेट IMQ- प्रेरित सोरायसिस के उपचार में प्रभावी पाए गए हैं, जो त्वचा संबंधी रोगों के लिए इसके वैज्ञानिक उपयोग की पुष्टि करता है। इस शोध के लिए उन्हें वर्ष 2019 में विशेष वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। डॉ. शशांक सिंह (भारतीय एकीकृत औषधीय संस्थान, जम्मू) ने प्राकृतिक यौगिकों से कैंसर की जटिल किस्मों के लिए लक्षित उपचार विकसित करने पर प्रकाश डाला। प्रो. गौरव कैथवास (बीबीएयू, लखनऊ) ने आधुनिक शोध में सत्य, विश्वास और तकनीक की अपरिहार्यता पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

केएमसी में एक दिसंबर से परीक्षाएं

कार्यक्रम जारी

लखनऊ, संवाददाता। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं एक दिसंबर से हैं। कोर्सवार कई पाठ्यक्रमों का परीक्षा शेड्यूल जारी कर दिया गया है। परीक्षाएं 20 दिसंबर तक चलेंगी। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

पहली पाली की परीक्षा सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक तीन घंटे की होगी। पहले दिन प्रथम सेमेस्टर बीए अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, उर्दू, संस्कृत, पालि, राजनीति विज्ञान, इतिहास और एजुकेशन की परीक्षा होगी। इसके बाद तीन दिसंबर को अरबी, अंग्रेजी और

- विवि ने कोर्सवार परीक्षा कार्यक्रम जारी किया
- विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर पूरी सूची

हिंदी समेत सात विषयों की एलोमेंट्री परीक्षा सुबह नौ से 11 बजे के बीच होगी। छह दिसंबर को बीएससी बॉटनी, जूलॉजी, गणित, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, रसायन विज्ञान व बीएजेएमसी कोर्सों के अलग-अलग पेपर कराए जाएंगे। 20 दिसंबर को माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी, जूलॉजी, गणित की परीक्षाएं होंगी। 20 दिनों में बीए व बीएससी एनईपी (नियमित, वैकपेपर, इंप्रूवमेंट) पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं हैं। विवि की वेबसाइट पर

तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं दूसरी पाली में

बीए व बीएससी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा दो दिसंबर से होंगी। 16 दिसंबर तक परीक्षाएं दूसरी पाली में होंगी हैं। तीसरे सेमेस्टर की सभी परीक्षाएं दूसरी पाली में दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगी। बीकॉम एनईपी, बीकॉम टीटीएम और बीसीए कोर्स के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा एक से 16 दिसंबर होंगी। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें।

बीबीए, बीसीए, बीकॉम, एलएलबी, बीएएलएलबी, बीफॉर्मा, बीटेक के पांचवें व बीटेक सातवें सेमेस्टर का भी परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है।

UP's pharmaceutical sector to get pharma park, med device hub

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Uttar Pradesh govt is set to establish a strong footprint in the pharmaceutical sector, with major projects including a 5000-acre pharma park near Lalitpur and a 350-acre medical device manufacturing hub in Noida.

This was said by former Drug Controller of India and scientific adviser to the Chief Minister of Uttar Pradesh, GN Singh while speaking at a three-day in-

MAJOR BOOST

ternational conference on Drug Discovery, Development and Drug Delivery organised by the faculty of pharmacy at Khwaja Moynuddin Chishti Language University on Monday.

"These projects are designed to bring UP to the forefront of India's pharmaceutical and medical technology revolution. The upcoming infrastructure would not only attract top-tier companies but also foster a vibrant innovation ecosystem," he told the gathering of researchers, academicians, and industry leaders.

He added that: "The 5000-acre pharma park will serve as a one-stop destination for manufacturing, research and formulation technologies. Similarly, the medical device manufacturing hub in Noida will be a game-changer in reducing India's dependence on imported equipment and boosting indigenous capability."

Singh added that the state's vision is aligned with national goals of self-reliance and technological advancement in healthcare.

"These initiatives will empower our scientists, strengthen regulatory support and create an environment where high-quality, affordable medicines and devices can be developed within the state," he added.

The conference also featured discussions on next generation drug delivery systems, novel therapeutic approaches, and the importance of academic-industry collaboration.

Experts highlighted the need for skilled manpower and advanced research facilities to match the pace of global pharmaceutical developments.

लखनऊ, शनिवार, 15 नवंबर 2025

10

केएमसी में शुरू हुआ दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में समकालीन समाज, साहित्य और विचार में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता विषय पर दो दिवसीय दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि ईरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी रहे। मुख्य वक्ता एलयू के प्रो. ओएन उपाध्याय ने भारतीय ज्ञान परंपरा की गहनता और उसके समकालीन महत्व बताए।

भाषा विवि के छात्रों ने सीखी फिल्म निर्माण की बारीकियां

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा सोमवार को एक दिवसीय फिल्म मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन बड़े उत्साह और रचनात्मक माहौल में अटल हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो अजय तनेजा के संरक्षण में हुआ। इस वर्कशॉप का उद्देश्य विद्यार्थियों को सिनेमा निर्माण की व्यावहारिक प्रक्रिया, तकनीकी पक्षों और रचनात्मक दृष्टिकोण से अवगत कराना था। प्रो. तनेजा ने कहा कि सिनेमा हमारे समाज की भावनाओं, विचारों और संघर्षों का प्रतिबिंब है। युवाओं को इसकी भाषा सीखनी चाहिए ताकि वे अपने विचारों को सार्थक दृश्य रूप दे सकें।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध फिल्म मेकर हेमंत तिवारी ने विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण के विभिन्न चरणों स्क्रिप्ट लेखन, स्टोरीबोर्डिंग, कैमरा हैंडलिंग, लाइटिंग, एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन की गहराई से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन से भी उत्कृष्ट शॉर्ट फिल्म बनाई जा सकती है, बशर्ते दृष्टिकोण और विचार मजबूत हों।



वर्कशॉप में उन्होंने अपनी फिल्म कृष्ण अर्जुन के विषय में भी बताया। उनकी फिल्म एक वन शॉर्ट फिल्म है और यूट्यूब जैसे व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज की गई है। पूर्व में भी उनके द्वारा लोमड़ जैसी वन शॉर्ट फिल्म रिलीज की गई जिसको कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में स्रहा गया है। हेमंत तिवारी मास्टर ऑफ वन शॉर्ट फिल्म के नाम से भी जाने जाते हैं। वर्कशॉप के दौरान तिवारी ने छात्रों के साथ लाइव डेमो सेशन में एक शॉर्ट फिल्म का शूट भी कराया, जिसमें छात्रों ने कैमरा एंगल, मैटिंग ट्रेटमेंट, साउंड रिकॉर्डिंग और विजुअल कंपोजिशन का प्रत्यक्ष अनुभव लिया। वर्कशॉप को जनसंचार विभाग की विषय प्रभारी एवं आज के कार्यक्रम की संयोजक डॉ रचिता सुजॉय चौधरी ने बताया

कि यह कार्यशाला विभाग की नियमित शैक्षणिक गतिविधियों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य छात्रों को प्रायोगिक अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि फिल्म मेकिंग केवल तकनीक नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण है। यह सोचने, देखने और प्रस्तुत करने का एक नया तरीका सिखाती है। विद्यार्थियों को सिनेमा की इस नई तकनीक के बारे में बताते हुए डॉ चौधरी ने कहा कि हेमंत तिवारी की फिल्म मेकिंग शैली सिनेमा बियोड बाउंडरोज का सजीव उदाहरण है। कार्यक्रम का संचालन मुस्कान बानो ने किया। कार्यशाला में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के डॉ शचींद्र शेखर, डॉ काजिम रिजवी के साथ ही विश्वविद्यालय के सभी विभागों से विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

फिल्म मेकिंग वर्कशॉप में भाषा विवि के छात्रों ने सीखी फ़िल्म निर्माण की बारीकियाँ



सज्जाद बाक़र
सिटीजन वॉयस,
संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। खूवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आज एक दिवसीय फिल्म मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन बड़े उत्साह और रचनात्मक माहौल में अटल हॉल में किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो अजय तनेजा के संरक्षण में हुआ। इस वर्कशॉप का उद्देश्य विद्यार्थियों को सिनेमा निर्माण की व्यावहारिक प्रक्रिया, तकनीकी पक्षों और रचनात्मक दृष्टिकोण से अवगत कराना था। प्रो० तनेजा ने कहा कि सिनेमा हमारे समाज की भावनाओं, विचारों और संघर्षों का प्रतिबिंब है। युवाओं को इसकी भाषा सीखनी चाहिए ताकि वे अपने विचारों को सार्थक दृश्य रूप दे सकें।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध फिल्म मेकर हेमंत तिवारी ने विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण के



विभिन्न चरणों स्क्रिप्ट लेखन, स्टोरीबोर्डिंग, कैमरा हैंडलिंग, लाइटिंग, एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन की गहराई से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन से भी उत्कृष्ट शॉर्ट फिल्में बनाई जा सकती हैं, बशर्ते दृष्टिकोण और विचार मजबूत हों। वर्कशॉप में उन्होंने अपनी फिल्म कृष्ण अर्जुन के विषय में भी बताया। उनकी फिल्म एक वन शॉट फिल्म है और यूट्यूब जैसे व्यापक

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज की गई है। पूर्व में भी उनके द्वारा लोमड़ जैसी वन शॉट फिल्म रिलीज की गई जिसको कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में सराहा गया है। हेमंत तिवारी जी मास्टर ऑफ वन शॉट फिल्म के नाम से भी जाने जाते हैं।

वर्कशॉप के दौरान तिवारी ने छात्रों के साथ लाइव डेमो सेशन में एक शॉर्ट फिल्म का शूट भी करवाया, जिसमें छात्रों ने कैमरा एंगल, नैरेटिव ट्रीटमेंट, साउंड रिकॉर्डिंग और

विजुअल कंपोजिशन का प्रत्यक्ष अनुभव लिया।

वर्कशॉप को जनसंचार विभाग की विषय प्रभारी एवं आज के कार्यक्रम की संयोजक डॉ रुचिता सुजॉय चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला विभाग की नियमित शैक्षणिक गतिविधियों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य छात्रों को प्रायोगिक अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने कहा फिल्म मेकिंग केवल तकनीक नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण है। यह सोचने, देखने और प्रस्तुत करने का एक नया तरीका सिखाती है। विद्यार्थियों को सिनेमा की इस नई तकनीक के बारे में बताते हुए डॉ चौधरी ने कहा कि हेमंत तिवारी जी की फिल्म मेकिंग शैली 'सिनेमा बियोड बाउंडरीज' का सजीव उदाहरण है। कार्यक्रम का संचालन मुस्कान बानो द्वारा किया गया। कार्यशाला में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ शचींद्र शेखर, डॉ काजिम रिजवी के साथ ही विश्वविद्यालय के सभी विभागों से विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

हिन्दुस्तान

विषम सेमेस्टर बैक परीक्षा एक दिसंबर से

लखनऊ, संवाददाता। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में एक दिसंबर से स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों के विषम सेमेस्टर की सभी बैक परीक्षाएं एक दिसंबर से शुरू होंगी। विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विवि की ओर से पूर्व में जारी नियमित व बैक पेपर की परीक्षा कार्यक्रमों में कई संशोधन भी किए गए हैं।

एक दिसंबर से शुरू होने वाली विषम सेमेस्टर की बैक पेपर परीक्षाएं 20 दिसंबर तक चलेंगी। तीन घंटों की यह परीक्षाएं दो पालियों में कराई जानी है। पहले पाली की परीक्षा सुबह 09:00 से दोपहर 12 बजे और दूसरे पाली की परीक्षा दोपहर दो से पांच बजे के बीच

एक ही समय दो प्रश्न पत्र की परीक्षा, बदला शेड्यूल

परीक्षा नियंत्रक विकास की ओर से एक अन्य संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी हुआ है। उनका कहना है कि 15 दिसंबर को आयोजित होने वाली बीए एनईपी समाज शास्त्र पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा में पांच, 13 दिसंबर को होने वाली परीक्षाओं व यूजी डिप्लोमा इन जीएसटी, पीजी डिप्लोमा इन जेएमसी में कुछ विद्यार्थियों के एक ही समय पर दो प्रश्न पत्र की परीक्षाएं सारिणी में अंकित थी। अब पांच दिसंबर को होने वाली बीए समाज शास्त्र की क्लासिक सोशियोलॉजिकल थॉट की परीक्षा 10 दिसंबर को होगी। 13 की रिसर्च मेथोडोलॉजी इन सोशल साइंस की परीक्षा अब 17 दिसंबर को होगी।

चलेगी। विद्यार्थी विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। जारी सूचना के अनुसार परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा हॉल में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा नियंत्रक विकास की ओर से एक अन्य सूचना जारी कर बताया

गया कि पूर्व में निर्धारित डिप्लोमा, स्नातक व परास्नातक विषम सेमेस्टर छह दिसंबर की परीक्षाएं अब 14 दिसंबर को होगी। पूर्व में जारी शेड्यूल के अनुसार विषम सेमेस्टर की नियमित व बैक पेपर परीक्षाएं एक दिसंबर के कराई जानी है। संशोधित कार्यक्रम की परीक्षा पालियां पहले तरह ही रहेंगी।



روزنامہ راشٹریہ

سندھ

رام پرساڈ بکس لائبریری یونیورسٹی کے علمی و تحقیقی وسائل کا مرکز ہے: پروفیسر تنجیا لینگوتج یونیورسٹی کی رام پرساڈ بکس لائبریری میں نیٹ ورک کارنر اور جدید ریڈنگ روم کا افتتاح



لکھنؤ (ایس این بی)

خواجہ معین الدین چشتی لینگوتج یونیورسٹی کی رام پرساڈ بکس لائبریری میں ہفتہ کو اطلاعات و کتب خانہ نیٹ ورک کارنر اور جدید ٹیکنالوجی کے وسائل اور سہولیات سے آراستہ نیا ریڈنگ روم قائم کیا گیا جس کا افتتاح یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر تنجیا نے افتتاح کیا۔ اس موقع پر پروفیسر تنجیا نے اپنے خطاب میں کہا کہ رام پرساڈ بکس لائبریری یونیورسٹی کے علمی و تحقیقی وسائل کا مرکز ہے۔ اطلاعات و کتب خانہ نیٹ ورک کارنر اور جدید ٹیکنالوجی کے وسائل اور سہولیات سے آراستہ نیا ریڈنگ روم طلبہ و ریسرچ اسکالرس کو ڈیجیٹل دور کی اعلیٰ سہولتیں فراہم کرے گا جس سے ان کی علمی و تحقیقی صلاحیتوں میں نمایاں اضافہ ہوگا۔ لائبریری کے انچارج پروفیسر مسعود عالم فلاجی نے بتایا کہ اطلاعات و کتب خانہ نیٹ

نصب الگ الگ ورک اسٹیشن طلبہ و محققین کو ایک پرسکون، منظم اور علمی ماحول فراہم کریں گے۔

افتتاحی پروگرام کی کامیاب تنظیم میں لائبریری ٹیم کے اراکین ہرش تیواری، راکیش مشرا اور محمد وسیم کا خصوصی کردار رہا۔ اس موقع پر ڈاکٹر سید اسرار حسین رضوی، ڈاکٹر پیش ترویدی، روی کیش موریہ سمیت متعدد اساتذہ اور بڑی تعداد میں طلبہ و طالبات موجود تھے۔

ورک کارنر اور جدید ٹیکنالوجی کے وسائل اور سہولیات کی یہ پہل طلبہ کو قومی و بین الاقوامی ای۔ وسائل تک رسائی فراہم کرے گا اور جدید طرز کے ورک اسٹیشن اور سہولیات مطالعہ و تحقیق کے نئے امکانات پیدا کریں گی اور یونیورسٹی کی تحقیقی و علمی سرگرمیوں کو ادارہ جاتی مضبوطی میسر آئے گی۔ نیا ریڈنگ روم سابقہ مطالعہ گاہ کا توسیعی حصہ ہے جس میں وائی فائی سمیت کئی جدید خصوصیات شامل کی گئی ہیں۔ یہاں

भाषा विवि के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण



लखनऊ। छात्राजा मुईनुद्दीन चिरती भाषा विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय के जैव प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग विभाग ने अपने छात्रों के लिए पोपिसको - वरुण बेवरेजेस लिमिटेड का एक औद्योगिक दौरा आयोजित किया। इस दौरे को माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के साथ साथ ने इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. आर.के. त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष डॉ. ममता शुक्ला और डॉ. मानवेंद्र सिंह के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शैक्षिक भ्रमण के दौरान, छात्रों को पेय पदार्थ निर्माण इकाई का एक जानकारीपूर्ण दौरा कराया गया, जहाँ उन्होंने पेय पदार्थ निर्माण में शामिल प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण और पैकेजिंग कार्यों सहित संपूर्ण उत्पादन लाइन के बारे में देखा और सीखा।

वरुण बेवरेजेस लिमिटेड के तकनीकी कर्मचारियों ने उत्पादन के प्रत्येक चरण के बारे में विस्तार से बताया, जिससे छात्रों को वास्तविक दुनिया के औद्योगिक अनुभव का मूल्यवान अनुभव प्राप्त हुआ।

फैक्ट्री दौरे के बाद एक आकर्षक प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया। डिपार्टमेंट ने वरुण बेवरेजेस लिमिटेड का उनकी मेहमाननवाजी और एक एजुकेशनल और बेहतर इंडस्ट्रियल अनुभव देने के लिए शक्रिया अदा किया, जिसने ध्यैरेटिकल नॉलेज को प्रैक्टिकल एप्लीकेशन से जोड़ा। इस शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान विभाग के सहायक प्रोफेसर इफ्फत अजीम, धीरेन्द्र, राशि श्रीवास्तव, और इंजीनियर शिवांशी त्रिपाठी रहे।

لینگو تچ یونیورسٹی میں امتحان فارم جمع کرنے کی تاریخ میں توسیع

لکھنؤ۔ خواجہ معین الدین چشتی لینگو تچ یونیورسٹی نے طلبہ کے مفاد میں ایک اہم فیصلہ کرتے ہوئے امتحان فارم بھرنے کی آخری تاریخ میں مزید توسیع کا اعلان کیا ہے۔ یونیورسٹی انتظامیہ کے مطابق بعض طلبہ نے سابقہ مقررہ تاریخ کے باوجود اپنے امتحانی فارم جمع نہیں کیے تھے اس لیے ایسے طلبہ کو ایک اور موقع فراہم کیا گیا ہے۔ اب طلبہ 6 نومبر سے 10 نومبر 2025 تک 500 روپے تاخیر فیس کے ساتھ اپنے امتحانی فارم جمع کرا سکتے ہیں۔ مزید وضاحت کرتے ہوئے نائب امتحان ناظم ڈاکٹر عطاء الرحمن اعظمی نے بتایا کہ ایسے تمام طلبہ جنہوں نے اب تک امتحان فارم جمع نہیں کیا ہے وہ یونیورسٹی کی ویب سائٹ یا آف لائن موڈ کے ذریعے فارم بھر سکتے ہیں۔ یونیورسٹی کے نائب ناظم امتحانات ڈاکٹر عطاء الرحمن اعظمی نے بتایا کہ یہ فیصلہ مکمل طور پر طلبہ کے مفاد کو مد نظر رکھتے ہوئے کیا گیا ہے تاکہ کوئی بھی طالب علم امتحان سے محروم نہ رہ جائے۔ انہوں نے واضح کیا کہ 10 نومبر کے بعد کسی بھی صورت میں فارم قبول نہیں کیے جائیں گے اور اس کے بعد فارم نہ بھرنے کی پوری ذمہ داری متعلقہ طالب علم پر عائد ہوگی۔ دفتر ناظم امتحانات کی جانب سے تمام ڈین، شعبہ جاتی سربراہان، مضمون کے انچارج اور اساتذہ سے درخواست کی گئی ہے کہ وہ اس اطلاع کو اپنے دائرے میں تمام طلبہ تک فوری طور پر پہنچائیں تاکہ ہر طالب علم وقت پر امتحان فارم بھر سکے۔



राम प्रसाद बिस्मिल पुस्तकालय में इन्फ्लिबनेट कॉर्नर व आधुनिक रीडिंग कक्ष का लोकार्पण

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के राम प्रसाद बिस्मिल पुस्तकालय में शनिवार को INFLIBNET कॉर्नर तथा आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित वर्क-स्टेशन युक्त नवीन रीडिंग कक्ष का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राम प्रसाद बिस्मिल पुस्तकालय विश्वविद्यालय के ज्ञान संसाधनों का केंद्र है। INFLIBNET कॉर्नर और नया रीडिंग कक्ष विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिजिटल युग की उत्कृष्ट सुविधाएँ प्रदान करेगा, जिससे उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध क्षमता में वृद्धि होगी।

पुस्तकालय प्रभारी प्रो. मरगूब आलम ने कहा कि INFLIBNET की



यह पहल विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ई-संसाधनों तक पहुँच प्रदान करेगी। पुस्तकालय में स्थापित आधुनिक वर्क-स्टेशन और सुविधाएँ अनुसंधान एवं अध्ययन को नई दिशा देंगी। नवनिर्मित INFLIBNET कॉर्नर के अंतर्गत विश्वविद्यालय को निम्नलिखित सेवाएँ प्राप्त होंगी – इन सेवाओं के माध्यम से शोधार्थियों को ShodhShuddhi और ShodhGanga जैसी राष्ट्रीय पहलों का लाभ मिलेगा तथा विश्वविद्यालय की शोध गतिविधियों को संस्थागत

■ भाषा विश्वविद्यालय में अध्ययन-संसाधनों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और कदम

मजबूती प्राप्त होगी।

वहीं, नया रीडिंग कक्ष पूर्ववर्ती कक्ष का विस्तार है, जिसमें Wi-Fi सुविधा सहित कई नवीन विशेषताएँ जोड़ी गई हैं। यहाँ स्थापित अलग-अलग वर्क-स्टेशन विद्यार्थियों और शोधार्थियों को एक शांत, सुव्यवस्थित और प्रेरक अध्ययन वातावरण प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पुस्तकालय टीम के सदस्य श्री हर्ष तिवारी, श्री राकेश मिश्र और मो वसीम का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर डॉ. सय्यद असरार हुसैन रिजवी (को-ऑर्डिनेटर, इन्फ्लिबनेट), डॉ. पियूष त्रिवेदी, श्री रवीकेश कुमार मौर्य सहित अनेक शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहीं।

क्रिकेट चयन ट्रायल में दिखाई प्रतिभा

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में क्रिकेट पुरुष वर्ग के चयन ट्रायल प्रक्रिया में 45 विद्यार्थियों ने भाग लिया। क्रिकेट कोच मो. राजा खान की देखरेख में विद्यार्थियों ने खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

चयनित खिलाड़ियों की सूची क्रीड़ा परिषद के कार्यालय के सूचना पट पर चस्पा व विवि की वेबसाइट पर अपलोड होगी। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने चयनित विद्यार्थियों को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामना दी। जानकारी के अनुसार इस दौरान क्रीड़ा परिषद उपाध्यक्ष डॉ. नीरज शुक्ला, मो. शारिक, डॉ. हसन मेहदी आदि मौजूद रहे।

पांच छात्र बने आत्मनिर्भर भारत के ब्रांड एंबेसडर

लखनऊ। भाजपा महानगर इकाई की ओर से आत्मनिर्भर भारत युवा संवाद संगोष्ठी ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में हुई। इसमें सीएम युवा मिशन की ओर से छात्र आयुष गुप्ता, अदिति सिंह, अजमत अली, जश्नदीप सिंह का चयन आत्मनिर्भर भारत के ब्रांड एंबेसडर के रूप में किया गया। इस मौके पर फिक्की उत्तर प्रदेश के चेयरमैन डॉ. नीरज सिंह, अभियान संयोजक अभिषेक खरें, डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. जैबुन निसा और आफरीन फातिमा मौजूद रहीं। (संवाद)

متحدہ ہندوستان کی تعمیر میں سردار پٹیل کا اہم کردار: پروفیسر اے تنجا

سردار ولہ بھائی پٹیل جینتی پر بھاشا یونیورسٹی میں ہوا بابا وقار تقریب اور 'رن فار یونٹی' کا انعقاد

لکھنؤ: غوجہ معین الدین چشتی لکھنؤ یونیورسٹی میں سردار ولہ بھائی پٹیل جینتی نہایت جوش و خروش اور قومی جذبے کے ساتھ منائی گئی۔ اتر پردیش کی گورنر اور یونیورسٹی کی چانسلر آنندی بین پٹیل کی ہدایات کے مطابق شعبہ جغرافیہ کے زیر اہتمام سردار پٹیل اور قومی یکجہتی کے عنوان سے ایک خصوصی پروگرام کا انعقاد کیا گیا، جس میں سردار ولہ بھائی پٹیل کی قومی خدمات اور ان کی قیادت کو خراج عقیدت پیش کیا گیا۔ پروگرام کے اختتام کے بعد دوڑ (Run for Unity) کا انعقاد کیا گیا جس کا آغاز ہوا انعام آزاد ایکٹنگ پارک سے ہوا اور دوڑ کا اختتام یونیورسٹی کیمپس سے باہر واقع قصبہ گیت پر ہوا۔ اس موقع پر وائس چانسلر پروفیسر اے تنجا نے ہری جھنڈی دکھا کر دوڑ کا آغاز کیا۔ اپنے خطاب میں پروفیسر اے تنجا نے سردار ولہ بھائی پٹیل کی ہمہ جہت شخصیت پر روشنی ڈالتے ہوئے

کہا: "سردار ولہ بھائی پٹیل نہ صرف ایک عظیم سیاست دان تھے بلکہ وہ جدید ہندوستان کے معماروں میں سے ایک کارنامہ ہے۔ ان کی شخصیت ہمیں یہ سبق دیتی ہے کہ سچا قائد وہی ہے جو قوم کو جوڑتا ہے، توڑتا نہیں۔" پروفیسر تنجا نے طلبہ و

خواہوں کا ہندوستان بنانے کے لیے عزم کریں اور ایسا ہندوستان جو متحد، مضبوط اور ترقی یافتہ ہو۔ یہی وکست بھارت

انہوں نے اپنے کلیدی خطبے کا آغاز سردار ولہ بھائی پٹیل کی مختصر سیرت اور ان کے دور قیادت کے تاریخی پس منظر کی طرف اشارہ کرتے ہوئے کیا۔ انہوں نے کہا کہ سردار پٹیل نے جس عملی بصیرت، کلیم عمل ایک عہد عمل کی مثال ہے۔



سی ایم یوگی نے رن فار یونٹی کو ہری جھنڈی دکھا کر روانہ کیا، اسٹیج پر وزیر سریش کھنہ پر کیا طنز

لکھنؤ: سردار ولہ بھائی پٹیل کی 150 ویں یوم پیدائش کے موقع پر جمعہ کو ہونے والے اتر پردیش میں قومی اتحاد کا دن بڑے جوش و خروش کے ساتھ منایا جا رہا ہے۔ اس موقع پر ریاست بھر میں رن فار یونٹی کا انعقاد کیا گیا۔ لکھنؤ میں وزیر اعلیٰ یوگی آدیش ناتھ نے جی پی او پارک سے کے ڈی سنگھ باپو اسٹیڈیم تک رن فار یونٹی کو ہری جھنڈی دکھائی۔ اس دوڑ میں اسکول کے طلباء، این سی سی کڈز اور لڑکی پولیس اہلکاروں نے حصہ لیا۔ تقریب میں ایک ہفتہ پہلے اس وقت پیش آیا جب، اسٹیج پر پہنچتے ہوئے سی ایم یوگی نے وزیر خزانہ سریش کھنہ کو دیر ہونے پر طنز کیا۔ وزیر اعلیٰ نے مسکراتے ہوئے ان سے پوچھا کہ آپ نے دیر کیوں کی؟۔ اجتماع سے خطاب کرتے ہوئے، سی ایم یوگی نے سردار پٹیل کے تعاون کو یاد کیا اور سابق وزیر اعظم جواہر لال نہرو پر تنقید کی۔ انہوں نے کہا کہ برطانوی حکومت ملک کو کئی حصوں میں تقسیم کرنے کی سازش کر رہی تھی۔ جب حیدر آباد اور جونا گڑھ کے نظام ہندوستان میں شامل ہونے سے ہٹ چکا ہے۔

تھے۔ ان کی عملی سوچ، مضبوط ارادہ اور غیر حیزل عزم نے آزاد ہندوستان کی بنیادوں کو مستحکم کیا۔ انہوں نے جس تدبیر اور جرأت مندی کے ساتھ مختلف ریاستوں کو ایک متحد ہندوستان کی شکل میں جوڑا، وہ تاریخ کا ناقابل فراموش

طالبات کو پیغام دیتے ہوئے مزید کہا کہ قومی یکجہتی کا جذبہ صرف تقریروں یا تقریبات تک محدود نہیں رہنا چاہیے بلکہ اسے عملی زندگی کا حصہ بنانا ہی سردار پٹیل کو سچا خراج عقیدت ہوگا۔ انہوں نے کہا کہ آئیے ہم سب مل کر سردار پٹیل کے

برقی ترقی نے عدالتی کارروائی اور قانونی تحفظات کے منظر نامے کو بدل دیا ہے: جسٹس سید قمر حسن رضوی

لینگویج یونیورسٹی میں یوم آئین کے موقع پر تقریب کا انعقاد

لکھنؤ (پریس ریلیز):

خواجہ محمد بن احمد نے چشتی ائمہ کو جو بھارت میں کائناتوں میں پہلی
آف ایگل اسلام کی جانب سے ہم آئیں کے موقع پر "ساہر
فارینکس اور آئیں : پرائے کی، مگرانی اور انجیل حقوق" کے
موضوع پر ایک تقریب کا اہتمام کیا گیا۔ اس اہم موقع پر بھارت میں
کے اُن چائٹراپنے استقبالیہ کلمات میں معزز سہماؤں کا شکریہ
دا کرتے ہوئے سورج مد میں اس موضوع کی اہمیت اور
معویت پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ موجودہ انجیل میں ساہر
فارینکس، پرائے کی اور مگرانی سے متعلق مباحث نہ صرف قانونی
نقطہ نظر سے اہم ہیں بلکہ بنیادی حقوق کے تحفظ کے لیے بھی
گازر ہو چکے ہیں۔ انہوں نے کہا کہ لیجانوئی کی حیثیت ذاتی
کے باعث معلومات کا تبادلہ آن لائن سرگرمیاں اور انجیل کی
ضرورتیں ہماری روزمرہ زندگی کا حصہ بن گئے ہیں اس لیے دستور
ہند میں اصلاح پرائے کی کے حق کی معویت اور اس کے نفاذ کے
تقاضوں کو بہت دقت کی ضرورت ہے۔ انہوں نے لیجانو آف ایگل
اسلام کی جانب سے اس موضوع پر پروگرام کے انعقاد کو قابل
تحسین قرار دیتے ہوئے کہا کہ ایسے مباحث طلب میں نہ صرف
آپنی شعور کو بڑھاتے ہیں بلکہ انہیں لیجانوئی کے بدلے
محترمت سے ذمہ دار شہری بننے کی ترغیب بھی دیتے ہیں۔

اس تقریب کے مہمان خصوصی جنس یہ قمر حسن رضوی نے اپنے صدارتی خطاب میں نہ صرف حق پانچا کی کی آئی جیٹ پر فنی اعلیٰ بلکہ ملحق ہوئی تھی نامی کے عمر میں انجیل مار ٹکس



کی جڑی حقیقت اور روایتی اقتدارات کی حد پر بھی تفصیل سے گفتگو کی۔ جنسٹن راضوی نے کہا کہ 2017 کے فتاویٰ فیصلے نے بعد ازاں میں پرائیویسی کو ایک بنیادی حق کے طور پر تسلیم کر کے ریاست اور شہریوں کے تعلقات کو ایک نئے فریم میں رکھ دیا ہے۔ اس فیصلے نے واضح کیا کہ پرائیویسی صرف تمہاری کال تو نہیں بلکہ ذاتی آزادی، شناخت، اور انکسار دل اور ہمارے زندگی سے جڑا ایک جامع صول ہے جس کا احترام ہر فرد کی ذمہ داری ہے۔ اس سلسلے میں

انہوں نے اپنے خطاب میں انہوں نے وہ اپنی پروا مل مقدمات آج بھی تکرار ہو رہے ہیں انہیں کا خیال ہے کہ ہونے لگا کہ کس طرح انکسار دل اور ہمارے زندگی کے حقائق سامنے لائے جن تک روایتی قضیاتی طریقے رسائی حاصل نہ کر سکے۔ انہوں نے کہا کہ ریڈیو آن، لوکیشن ٹریسنگ، جی آر ایس، اسپیڈ ڈیٹا، ایک ایپ جیسے ٹولز آج نہ صرف تحقیقات کا ٹول ہیں بلکہ عدالت میں پہنچائی کے تعین کا سوڈر ذریعہ بھی بن گئے ہیں۔ انہوں نے تسلیم کیا کہ ماہر چارٹرس انکسار

تجزی سے اجازت ہوا قانونی شعبہ جس نے تحقیقات عدالتی کارروائی اور قانونی تعلقات کے بہتے مٹھرتے کو بدل کر رکھ دیا ہے۔ اس کے ساتھ ہی انھوں نے پولیس اور تفتیشی اداروں کی جدید تربیت، انراؤنڈ لکھو کی اپ گریڈنگ، ججمن آف کسٹڈی کے سخت نفاذ، اور بین الاقوامی معاہدات اپنانے کی ضرورت پر بھی زور دیا تاکہ مستقبل کے جرمیہ و سابر جرم کا موثر طور پر مقابلہ کیا جاسکے۔ اس موقع پر دوسرے اہم امور پر فیڈریشنل سرگھو نے اپنے خطاب میں کہا کہ سابر جرم کی تجزی سے بدل رہا ہے اور اسے آئینی ناظر میں نگلنے کی ضرورت ہے۔ انہوں نے 1890 میں ہارورڈ سے شروع ہونے والی پرائیویسی کی لین الاقوامی سائنس کا حوالہ دیتے ہوئے ملی انسانی حقوق کے اعلامیے کے آرٹیکل 12 کا ذکر کیا اور بتایا کہ بین الاقوامی اصولوں نے عدالتی سابر جرم قانون کی تشکیل پر گہرا اثر ڈالا ہے۔ ایڈووکیٹ مینگے کا شراٹے حق پرائیویسی کو نو سو سترتی جیسے قدیم حقون سے جڑتے ہوئے بتایا کہ کس طرح عدالتی عدالتوں نے ابتدا میں پرائیویسی کو بنیادی حق تسلیم نہیں کیا لیکن آج وہی فیصلے نے اسے آئین کے حصہ سوم کے تحت ایک خود مختار اور بنیادی حق کے طور پر تسلیم کیا۔ جج آئین کے موقع پر فیڈریشن آف ایگل انڈیا کے ڈین پرو فیسر مسعود عالم نے ویلجیو نظام کے ذریعے طلبہ کو امرہ واردہ انجیکشنل رویہ اپنانے کی تحقیر کی۔ اس کے ساتھ مختلف مطالبوں کے ناظرین کو اجازت بھی پیش کیے گئے۔ اس پر دگریم کے اختتامی سرے میں ڈاکٹر جیاش تریدی نے بھی لوگوں کا شکریہ ادا کیا اس تقریب میں سائنسدانوں نے گہرور شرکت کی۔

UP's pharmaceutical sector to get pharma park, med device hub

Times News Network

Lucknow: Uttar Pradesh govt is set to establish a strong footprint in the pharmaceutical sector, with major projects including a 3000-acre pharma park near Lalitpur and a 100-acre medical device manufacturing hub in Noida.

This was said by former Drug Controller of India and scientific adviser to the Chief Minister of Uttar Pradesh, GN Singh while speaking at a three-day in-

MAJOR BOOST

ternational conference on Drug Discovery, Development and Drug Delivery organised by the faculty of pharmacy at Khwaja Mohiuddin Chishti Language University on Monday.

"These projects are designed to bring UP to the forefront of India's pharmaceutical and medical technology revolution. The upcoming infrastructure would not only attract top-tier companies but also foster a vibrant innovation ecosystem," he told the gathering of researchers, academicians, and industry leaders.

He added that "The 3000-acre pharma park will serve as a one-stop destination for manufacturing, research and formulation technologies. Similarly, the medical device manufacturing hub in Noida will be a game-changer in reducing India's dependence on imported equipment and boosting indigenous capability."

Singh added that the state's vision is aligned with national goals of self-reliance and technological advancement in healthcare.

"These initiatives will empower our scientists, strengthen regulatory support and create an environment where high-quality, affordable medicines and devices can be developed within the state," he added.

The conference also featured discussions on next-generation drug delivery systems, novel therapeutic approaches, and the importance of academic-industry collaboration.

Experts highlighted the need for skilled manpower and advanced research facilities to match the pace of global pharmaceutical developments.

केएमसी छात्रों को लाइब्रेरी में मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

लखनऊ, संवाददाता। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अब डिजिटल युग की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। छात्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ई-संसाधनों तक पहुंच सकेंगे। विवि के राम प्रसाद बिस्मिल पुस्तकालय में शनिवार को इन्फ्लबनेट कॉर्नर और आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित वर्क-स्टेशन युक्त नवीन रीडिंग कक्ष का लोकार्पण हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि यह पुस्तकालय विवि के ज्ञान संसाधनों का केंद्र है।

इन्फ्लबनेट कॉर्नर और नया रीडिंग कक्ष विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिजिटल युग की उत्कृष्ट सुविधाएं

- विवि में आधुनिक रीडिंग कक्ष का लोकार्पण हुआ
- राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ई-संसाधनों तक होगी पहुंच

देगा। पुस्तकालय प्रभारी प्रो. मरगूब आलम ने कहा कि पुस्तकालय में आधुनिक वर्क-स्टेशन और सुविधाएं शोध व अध्ययन को नई दिशा देंगी।

इन्फ्लबनेट कॉर्नर में आईएनडीकैट, लाइब्रेरी स्वचलन, ओएनओएस, शोध-चक्र, सुविधाएं मिलेंगी। इस मौके पर पुस्तकालय टीम के सदस्य हर्ष तिवारी, राकेश मिश्र, मो. वसीम, इन्फ्लबनेट को-ऑर्डिनेटर डॉ. सय्यद असरार हुसैन रिजवी, डॉ. पियूष त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

भाषा विश्वविद्यालय में दूर होगी शिक्षकों की कमी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी दूर होगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय में कार्य परिषद की बैठक बृहस्पतिवार को हुई। इसमें महत्वपूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक विषयों चर्चा हुई। साथ ही विभागों में खाली पड़े पदों की भी संख्या मांगी गई। प्रस्ताव मिलते ही भर्ती विज्ञापन जारी करने की सहमति बनी। इस दौरान शिक्षकों के प्रमोशन की तैयारी करने के निर्देश दिए गए। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि विभागों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना और योग्य शिक्षकों को समयानुसार पदोन्नति समय से करना उद्देश्य है। इस संबंध में जल्द ही बैठक फिर से की जाएगी। बैठक में प्रो. मुनेश, प्रो. तनवीर खादिजा, आईक्यूएसी निदेशक प्रो. सऊबान सईद, रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार मौजूद रहे। (संवाद)

दिनांक

उनकी प्रतिभाओं को खोज कर दुनिया के सामने लक्ष्मी।

मौलाना अबुल कलाम आजाद को किया याद

लखनऊ। मौलाना आजाद नेहरून डॉ. कुलकर्णी के अध्यक्ष होने के बाद लखनऊ केपम में कार्यक्रमों को आजाद समर्पित हुआ। शीला ने मौलाना आजाद के जीवन और कार्य से जुड़े दस्तावेज भी लगे। कार्यक्रम में शीला मुस्तुफाईन मिनी



भाषा विधि के द्वारा कार्यक्रम के निष्कर्षण में मौलाना आजाद ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद की दस्तावेजों को वैज्ञानिक और सांख्यिक कला

कभी भी भूल नहीं सकते हैं। शीला की प्रवर्ती मिनी ने कहा कि मौलाना आजाद हमने जिसे देखा है। इस दौरान शीला की अध्यक्षता में प्रवर्ती और मौलाना आजाद की सेवा शीला ने अध्यक्षता की। इसमें मुख्यमंत्री श्री अशोक कुमार ने शीला को सम्मानित किया। इसी अवसर पर मौलाना आजाद विधि की कुलसूचि जारी की। मौलाना आजाद के सम्मान में डॉ. कुलकर्णी ने कहा कि मौलाना आजाद का जीवन और कार्य हमें आज भी प्रेरणा देता है।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी' और विचार गोष्ठी का भव्य आयोजन



सज्जाद बाक़र
सिटीज़न वॉयस,
संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में भूगोल विभाग द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सरदार पटेल के आदर्शों को समर्पित रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मंजुल त्रिवेदी ने अपने प्रेरणादायक विचारों से विद्यार्थियों को सरदार पटेल के जीवन, उनके समर्पण और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से अवगत कराया। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प और संगठन कौशल से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाएँ। इस अवसर पर 'विकसित उत्तर प्रदेश @2047' विषय पर एक विचारोत्तेजक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें अर्थशास्त्र विभाग के विषय प्रभारी डॉ. राहुल कुमार मिश्रा ने 'विकसित भारत 2047 एवं विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. मिश्रा ने बताया कि भास्त्र को उच्च आय वर्ग वाले देशों की श्रेणी में शामिल होने के लिए...



खनी होगी तथा प्रति व्यक्ति आय को 14,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक तक पहुँचाना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के लिए जो रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, उसके अंतर्गत प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए मैक्सिमम गवर्नेंस, डिजिटल गवर्नेंस, सुरक्षा, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और निवेश आकर्षित करने जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विचार गोष्ठी में प्रो. सैयद हैदर अली ने अपने वक्तव्य में कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई नई शिक्षा नीति ने शिक्षा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। उन्होंने कहा कि यह नीति न केवल शिक्षा को...

कौशल आधारित बना रही है, बल्कि यह युवाओं को आत्मनिर्भर और नवाचारोन्मुख बना रही है। प्रो. अली ने यह भी कहा कि शिक्षा में इस परिवर्तन का सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है – क्योंकि गुणवत्तापूर्ण और कौशल आधारित शिक्षा से प्रशिक्षित मानव संसाधन राष्ट्र की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नई शिक्षा नीति ने स्थानीय भाषाओं, पारंपरिक ज्ञान और डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित कर एक संतुलित और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल का सबसे...

राजनीतिक एकता है। आज हम जिस एकजुट भारत में रहते हैं, वह उनके कठिन परिश्रम और अदम्य इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने आजादी के बाद 562 रियासतों को भारत संघ में मिलाकर एक भास्त्र का निर्माण किया। इसीलिए उन्हें 'भारत का लौह पुरुष' कहा जाता है। कुलपति महोदय ने सभी को सरदार पटेल के विचारों को आत्मसात करने और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. चेतना शर्मा एवं डॉ. प्रिया देवी द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नलिनी मिश्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के समापन पर 'रन फॉर यूनिटी' (एकता दौड़) का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों और अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही विश्वविद्यालय की एक विशेष टीम – जिसमें 50 विद्यार्थी एवं 4 संकाय सदस्य – डॉ. नलिनी मिश्रा, डॉ. कौशलेश साह, डॉ. शरिक जी एवं डॉ. शन-ए-फातिमा – ने राजभवन, लखनऊ में प्रातः 7:00 बजे आयोजित एकता दौड़ में सहभागिता की। इस दौड़ में विश्वविद्यालय के 50 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर सरदार पटेल के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संदेश को साकार किया।

हिन्दुस्तान

साइबर अपराधों की बढ़ती प्रवृत्तियों पर जानकारी

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी विभाग की ओर से साइबर जागरूकता दिवस पर कार्यशाला आयोजित कर विद्यार्थियों और शिक्षकों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने की। मुख्य वक्ता साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ मनीष गज्जर ने साइबर अपराधों की बढ़ती प्रवृत्तियों पर जानकारी दी।



ہندوستان نے جی 20 کو عالمی انسانی تحریک کاروپ دیا: پروفیسر منو کا کھنہ

لینگویج یونیورسٹی میں جی 20 اعلامیہ اور ہندوستانی نوجوانوں کی صلاحیتوں کا فروغ: مسائل و امکانات میں دورہ سیمینار کا آغاز

لکھنؤ۔ خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں "جی 20 اعلامیہ اور ہندوستانی نوجوانوں کی صلاحیتوں کا فروغ: مسائل و امکانات" دورہ سیمینار کا انعقاد کیا گیا۔ آج سیمینار کے پہلے دن افتتاحی اجلاس کے ساتھ دو ٹیکنیکی اجلاس منعقد کیا گیا اس سیمینار کے آغاز میں ڈاکٹر ظنی مشرانے مہمانوں کا شکریہ ادا کرتے ہوئے سیمینار کے موضوع اور اس کی اہمیت و معنی خیزیت پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ یہ ایک نہایت اہم اور بر وقت موضوع ہے۔ آج جب دنیا ایک نئے عالمی نظم کی تشکیل کے مرحلے سے گزر رہی ہے تو ہندوستانی نوجوان اس تبدیلی کے محور بن کر ابھر رہے ہیں۔ جی 20 کے اعلامیہ نے ترقی، پائیداری، شمولیت اور اختراع کو جس طرح مرکب تو ج بنایا ہے وہ براہ راست نوجوان نسل کی توانائی، فکر اور قیادت سے جڑا ہوا ہے۔ ہندوستان اپنی آبادی کے لحاظ سے دنیا کی سب سے بڑی نوجوان قوم ہے اور یہی نوجوان اس ملک کی حقیقی طاقت اور امکانات کے امین ہیں۔ مگر ان کی صلاحیتوں کے فروغ میں کئی چیلنجز بھی درپیش ہیں۔ ایسے وقت میں یہ ضروری ہے کہ ہم نہ صرف نوجوانوں کے سامنے موجود مسائل کو سمجھیں بلکہ ان امکانات کی بھی نشاندہی کریں جو ان کی توانائی کو صحیح سمت دے سکیں۔ اس افتتاحی اجلاس کی صدارت کرتے ہوئے لینگویج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اسے تنجیانے کہا کہ ہندوستان نے جی 20 اعلامیہ اعلامیہ کو ایک زمین، ایک خاندان اور ایک مستقبل کے پیغام کے ساتھ نئی روح عطا کی اور یہ پیغام محض ایک سیاسی

نعرہ نہیں بلکہ ایک تہذیبی تصور ہے جو ہمیں یاد دلاتا ہے کہ انسانی ترقی کی اصل بنیاد نوجوان نسل کی صلاحیتوں پر استوار ہے۔ لکھنؤ یونیورسٹی کے وائس چانسلر اور

سیاسی یا معاشی اتحاد کے طور پر نہیں بلکہ ایک عالمی انسانی تحریک کی شکل میں پیش کیا ہے۔ ایک اہم مقرر اور مہمان ڈی وقار پروفیسر لوکش مشرانے جی 20 کی

نوجوان ہمارے ملک کا سب سے قیمتی اثاثہ ہیں، دو توانائی کا دوسرے چشمہ ہیں جو اگر صحیح سمت میں رواں ہو جائے تو قوم کو ترقی، خود انحصاری اور عالمی قیادت کی



مہمان خصوصی پروفیسر منو کا کھنہ نے اس موضوع پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ ہندوستان کے نوجوان آج اس عہد کے سب سے بڑے سرمایے ہیں اور ایک ایسی قوت جو تخلیق بھی کر سکتی ہے، قیادت بھی کر سکتی ہے اور دنیا کو نئی سمت بھی دے سکتی ہے۔ ہمارے نوجوان آج سائنس، ٹیکنالوجی، فنون، ادب اور معیشت کے ہر میدان میں اپنی شناخت قائم کر رہے ہیں۔ یہی وہ نسل ہے جو اپنے عزم و ارادے سے ہندوستان کو عالمی برادری میں قیادت کی صوب اول میں کھڑا کر سکتی ہے۔ انھوں نے مزید کہا کہ جی 20 کی روح اجتماعیت، اشتراک اور شمولیت پر مبنی ہمارے ہندوستان نے اس فورم کو صرف ایک

تاریخی اہمیت پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ جی 20 صرف ایک اقتصادی یا سفارتی فورم نہیں بلکہ عالمی ہم آہنگی، اجتماعی ترقی اور انسانی فلاح کا ایسا پلیٹ فارم ہے جس نے دنیا کو ایک نئی فکری سمت عطا کی ہے۔ انھوں نے کہا کہ جی 20 کے قیام سے لے کر آج تک اس نے دنیا کی معیشت کو استحکام بخشنے، غربت کے خاتمے، ماحولیاتی تحفظ اور پائیدار ترقی کے لیے نمایاں کردار ادا کیا ہے۔ اس افتتاحی اجلاس کی نظامت ڈاکٹر نیرج شکلا نے کی۔ اس سیمینار کے پہلے ٹیکنیکی اجلاس کی صدارت کرتے ہوئے پروفیسر پر موہکار گپتا نے کہا کہ ہندوستان آج دنیا کی سب سے بڑی نوجوان آبادی کا حامل ملک ہے۔

منزل تک پہنچا سکتا ہے۔ تاہم یہ سفر آسان نہیں۔ تعلیم کا بدلنا ہوا ماحول، روزگار کی غیر یقینی صورت حال، ٹیکنالوجی کے چیلنجز اور سماجی عدم مساوات جیسے مسائل ہمارے نوجوانوں کے سامنے بڑی آزمائشیں ہیں مگر امکانات بھی اتنے ہی وسیع ہیں۔ حکومت ہند کی اسکیمیں، عالمی تعاون اور نوجوانوں کی تخلیقی قوتیں ہمارے لیے نئے دروازے کھول رہی ہیں۔ ڈاکٹر دھرو کمار ترپاٹھی (ویدانت ہندو پی جی کانج) اور پروفیسر اے۔ کے سنگھ (مہاراجہ اگر سین یونیورسٹی ہماچل پردیش) نے اس اہم موضوع پر اپنے خیالات کا اظہار کیا اور معاصر عہد کی عالمی سیاست اور اقتصادی قوت کے حصول میں

اس کی اہمیت اور معنویت پر تفصیلی گفتگو کی۔ اس ٹیکنیکی اجلاس کی نظامت ڈاکٹر بشری الویرہ نے کی۔ اس سیمینار کے دوسرے ٹیکنیکی اجلاس کی صدارت پروفیسر بی بی سنگھ (شعبہ کامرس ماں پائیشور یونیورسٹی بلرام پور) نے کی۔ انھوں نے اپنی صدارتی تقریر میں کہا کہ دنیا اس وقت جن تیز رفتار تبدیلیوں سے گزر رہی ہے ان میں نوجوان نسل کی حیثیت بنیادی مانند ہے۔ معیشت ہو یا ٹیکنالوجی، سماج ہو یا ثقافت۔ ہر میدان میں نوجوان ہی وہ قوت ہیں جو مستقبل کی سمت متعین کر سکتی ہے۔ اسی حقیقت کو مد نظر رکھتے ہوئے جی 20 اعلامیہ نے نوجوانوں کو عالمی ترقی کے مرکزی ستون کے طور پر تسلیم کیا ہے۔ یہ اعلامیہ صرف اقتصادی یا سیاسی مفادات کا مجموعہ نہیں بلکہ ایک ایسا فکری منشور ہے جو مساوات، اشتراک، اجتماعیت اور پائیدار ترقی کے اصولوں پر استوار ہے۔ پروفیسر سنوٹوش گوڈا (جواہر لال نہرو میموریل پی جی کانج بارہنگی) اور پروفیسر دہالی سنگھ (مہیا امہا دیال پی جی کانج کانپور) نے اس اہم موضوع کے دوسرے حصے مسائل اور امکانات پر تفصیل سے گفتگو کی۔ اس دوسرے ٹیکنیکی اجلاس کی نظامت ڈاکٹر محمد اکمل کی۔ اس سیمینار کے دونوں ٹیکنیکی اجلاس میں اس اہم موضوع کے تعلق سے مقالہ نگاروں نے اپنے مقالے پیش کئے جن پر سوالات بھی قائم کئے گئے اور مقالہ نگاروں نے ان کے تھقی بخش جوابات بھی دیے۔ اس سیمینار مختلف شعبوں کے اساتذہ کے علاوہ طلبہ نے بھی کثرت کے ساتھ شرکت کی۔

ہندوستان نے جی 20 کو عالمی انسانی تحریک کا روپ دیا: پروفیسر منو کا کھنہ

لینکونج یونیورسٹی میں "جی 20 اعلامیہ اور ہندوستانی نوجوانوں کی صلاحیتوں کا فروغ، مسائل و امکانات" میں دورہ سیمینار کا آغاز



لکھنؤ، نواب محمد الدین چشتی لینکونج یونیورسٹی میں "جی 20 اعلامیہ اور ہندوستانی نوجوانوں کی صلاحیتوں کا فروغ، مسائل و امکانات" 11 روزہ سیمینار کا انعقاد کیا گیا۔ آج سیمینار کے پہلے دن افتتاحی اجلاس کے ساتھ دو محفل بھی اہلاس منعقد کیا گیا۔ اس سیمینار کے آغاز میں ڈاکٹر عتی مشرا نے مہمانوں کا شکریہ ادا کرتے ہوئے سیمینار کے موضوع اور اس کی اہمیت و معنی فہریت پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ یہ ایک بہارت اہم اور بروقت موضوع ہے۔ آج جب دنیا ایک نئے عالمی نظم کی تشکیل کے مرحلے سے گزر رہی ہے تو ہندوستانی نوجوان اس تبدیلی کے محور بن کر ابھر رہے ہیں۔ جی 20 کے اعلامیے نے ترقی، پائیداری، شمولیت اور اخراج کو جس طرح مر کو توجہ دیا ہے وہ براہ راست نوجوان نسل کی توانائی، فکر اور قیادت سے جڑا ہوا ہے۔ ہندوستان اپنی آبادی کے لحاظ سے دنیا کی سب سے بڑی نوجوان قوم ہے اور یہی نوجوان اس ملک کی حقیقی طاقت اور امکانات کے امین ہیں۔ مگر ان کی صلاحیتوں کے فروغ میں کئی چیلنجز بھی درپیش ہیں۔ ایسے وقت میں یہ ضروری ہے کہ ہم نہ صرف نوجوانوں کے سامنے موجود مسائل کو سمجھیں بلکہ ان امکانات کی بھی نشاندہی کریں جو ان کی توانائی کو صحیح سمت دے سکیں۔ اس افتتاحی اجلاس کی صدارت کرتے ہوئے لینکونج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اے بیچا نے کہا کہ ہندوستان نے جی 20 اعلامیے کے ایک ایک زمین، ایک خاندان اور ایک مستقبل کے پیغام کے ساتھ نئی روح عطا کی اور یہ پیغام محض ایک سیاسی نعرہ نہیں بلکہ ایک تہذیبی تصور ہے جو ہمیں یاد دلاتا ہے کہ انسانی ترقی کی اصل بنیاد نوجوان نسل کی صلاحیتوں پر استوار ہے۔ لکھنؤ یونیورسٹی کے وائس چانسلر اور مہمان خصوصی پروفیسر منو کا کھنہ نے اس موضوع پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ ہندوستان کے نوجوان آج اس مہم کے سب سے بڑے سرمایہ ہیں اور ایک ایسی قوت جو تخلیق بھی کر سکتی ہے، قیادت بھی کر سکتی ہے اور دنیا کو نئی سمت بھی دے سکتی ہے۔ ہمارے نوجوان آج سائنس،

کم دنیا اس وقت جن تیز رفتاریوں سے گزر رہی ہے ان میں نوجوان نسل کی حیثیت بنیادی مانتا ہے۔ معیشت ہو یا ٹیکنالوجی، سماج ہو یا طاقت۔ ہر میدان میں نوجوان ہی وہ قوت ہیں جو مستقبل کی سمت متعین کر سکتی ہے۔ اسی حقیقت کو مد نظر رکھتے ہوئے جی 20 اعلامیے نے نوجوانوں کو عالمی ترقی کے مرکزی ستون کے طور پر تسلیم کیا ہے۔ یہ اعلامیہ صرف اقتصادی یا سیاسی مفادات کا مجموعہ نہیں بلکہ ایک ایسا فکری منشور ہے جو مساوات، اشتراک، انجمنیت اور پائیدار ترقی کے اصولوں پر استوار ہے۔ پروفیسر سنوٹل گوڈا (جو اہل لال نہرو یونیورسٹی، دہلی کا بانی اور وائس چانسلر ہیں) نے اس اہم موضوع کے دوسرے حصے مسائل اور امکانات پر تفصیل سے گفتگو کی۔ اس دوسرے محفل اہلاس کی نگرانی میں اہل کی۔ اس سیمینار کے دونوں محفلیں اہلاس میں اس اہم موضوع کے تعلق سے مقالہ نگاروں نے اپنے مقالے پیش کئے جن پر سوالات بھی قائم کئے گئے اور مقالہ نگاروں نے ان کے فکری پیش روایات بھی دیے۔ اس سیمینار مختلف شعبوں کے اساتذہ کے علاوہ طلبہ نے بھی کثرت کے ساتھ شرکت کی۔

سے بڑی نوجوان آبادی کا حامل ملک ہے۔ یہ نوجوان ہمارے ملک کا سب سے قیمتی اثاثہ ہیں۔ وہ توانائی کا دوسرا پتھر ہیں جو اگر صحیح سمت میں رواں ہو جائے تو قوم کو ترقی، خود انحصاری اور عالمی قیادت کی منزل تک پہنچا سکتا ہے۔ تاہم یہ سفر آسان نہیں۔ تعلیم کا بدلتا ہوا منظر نامہ، روزگار کی غیر یقینی صورت حال، ٹیکنالوجی کے چیلنجز اور سماجی عدم مساوات جیسے مسائل ہمارے نوجوانوں کے سامنے بڑی آزمائشیں ہیں مگر امکانات بھی اتنے ہی وسیع ہیں۔ حکومت ہند کی انکسپشن، عالمی تعاون اور نوجوانوں کی تخلیقی قوتیں ہمارے لیے نئے دروازے کھول رہی ہیں۔ ڈاکٹر دھرم کمار تریپاٹھی (ویدانت ہندو یونیورسٹی، دہلی) اور پروفیسر اے۔ کے سنگھ (مہاراجہ انگریجن یونیورسٹی، اناپال پریش) نے اس اہم موضوع پر اپنے خیالات کا اظہار کیا اور معاصر مہم کی عالمی سیاست اور اقتصادی قوت کے حصول میں اس کی اہمیت اور معنویت پر تفصیلی گفتگو کی۔ اس محفل اہلاس کی نگرانی میں ڈاکٹر بشری المورو نے کی۔ اس سیمینار کے دوسرے محفل اہلاس کی صدارت پروفیسر بی بی سنگھ (شعبہ کامرس) نے پائیدار نوجوان نسل (پرام پور) نے کی۔ انھوں نے اپنی صدارتی تقریر میں کہا

ٹیکنالوجی، فنون، ادب اور معیشت کے ہر میدان میں اپنی شناخت قائم کر رہے ہیں۔ یہی اصل ہے جو اپنے عزم و ارادے سے ہندوستان کو عالمی برادری میں قیادت کی صفت اول میں کھڑا کر سکتی ہے۔ انھوں نے مزید کہا کہ جی 20 کی روح انجمنیت، اشتراک اور شمولیت پر مبنی ہے اور ہندوستان نے اس فورم کو صرف ایک سیاسی یا معاشی اتحاد کے طور پر نہیں بلکہ ایک عالمی انسانی تحریک کی شکل میں پیش کیا ہے۔ ایک اہم مقرر اور مہمان ڈی وقار پروفیسر لوکیش مشرا نے جی 20 کی تاریخی اہمیت پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ جی 20 صرف ایک اقتصادی یا سیاسی فورم نہیں بلکہ عالمی ہم آہنگی، انسانی ترقی اور انسانی اخراج کا ایسا پلیٹ فارم ہے جس نے دنیا کو ایک نئی فکری سمت عطا کی ہے۔ انھوں نے کہا کہ جی 20 کے قیام سے لے کر آج تک اس نے دنیا کی معیشت کو استحکام بخشنے، غربت کے خاتمے، ماحولیاتی تحفظ اور پائیدار ترقی کے لیے نمایاں کردار ادا کیا ہے۔ اس افتتاحی اجلاس کی نگرانی ڈاکٹر نیرج شکلا نے کی۔ اس سیمینار کے پہلے محفل اہلاس کی صدارت کرتے ہوئے پروفیسر پرمود کمار گپتا نے کہا کہ ہندوستان آج دنیا کی سب



ہندوستان نے جی 20 کو عالمی انسانی تحریک کا روپ دیا: پروفیسر منو کا کھنہ

لینگو تاج یونیورسٹی میں "جی 20 اعلامیہ اور ہندوستانی نوجوانوں کی صلاحیتوں کا فروغ: مسائل و امکانات" میں دورہ سیمینار کا آغاز

لکھنؤ (پریس ڈیسک):

خواجہ معین الدین چشتی لینگو تاج یونیورسٹی میں "جی 20 اعلامیہ اور ہندوستانی نوجوانوں کی صلاحیتوں کا فروغ: مسائل و امکانات" دورہ سیمینار کا انعقاد کیا گیا۔ آج سیمینار کے پہلے دن افتتاحی اجلاس کے ساتھ دو گھنٹہ کی اجلاس منعقد کیا گیا۔ اس سیمینار کے آغاز میں ڈاکٹر ظنی مشرا نے مہمانوں کا شکریہ ادا کرتے ہوئے سیمینار کے موضوع اور اس کی اہمیت و معنی خیزیت پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ یہ ایک نہایت اہم اور بروقت موضوع ہے۔ آج جب دنیا ایک نئے عالمی نظم کی تشکیل کے مرحلے سے گزر رہی ہے تو ہندوستانی نوجوان اس تبدیلی کے محور بن کر ابھر رہے ہیں۔ جی 20 کے اعلامیہ نے ترقی، پائیداری، شمولیت اور اختراع کو جس طرح مرکوز توجہ دیا ہے وہ براہ راست نوجوان نسل کی توانائی، فکر اور قیادت سے بڑا ہوا ہے۔ ہندوستان اپنی آبادی کے لحاظ سے دنیا کی سب سے بڑی نوجوان قوم ہے اور یہی نوجوان اس ملک کی حقیقی طاقت اور امکانات کے امین ہیں۔ مگر ان کی صلاحیتوں کے فروغ میں کئی چیلنجز بھی درپیش ہیں۔ ایسے وقت میں یہ ضروری ہے کہ ہم نہ صرف نوجوانوں کے سامنے موجود مسائل کو سمجھیں بلکہ ان امکانات کی بھی نشاندہی کریں جو ان کی توانائی کو صحیح سمت دے سکیں۔ اس افتتاحی اجلاس کی صدارت کرتے ہوئے لینگو تاج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اے جیچا نے



کہا کہ ہندوستان نے جی 20 اعلامیہ اعلامیہ کو ایک زمین، ایک خاندان اور ایک مستقبل کے پیغام کے ساتھ نئی روح عطا کی اور یہ پیغام محض ایک سیاسی نعرو نہیں بلکہ ایک تہذیبی تصور ہے جو ہمیں یاد دلاتا ہے کہ انسانی ترقی کی اصل بنیاد نوجوان نسل کی صلاحیتوں پر استوار ہے۔ لکھنؤ یونیورسٹی کے وائس چانسلر اور مہمان خصوصی پروفیسر منو کا کھنہ نے اس موضوع پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ ہندوستان کے نوجوان آج اس عہد کے سب سے بڑے سرمایہ کشیں اور ایک ایسی قوت جو تخلیق بھی کر سکتی ہے، قیادت بھی کر سکتی ہے اور دنیا کو نئی سمت بھی دے سکتی ہے۔ ہمارے نوجوان آج سائنس،

ٹیکنالوجی، فنون، ادب اور معیشت کے ہر میدان میں اپنی شجاعت قائم کر رہے ہیں۔ لیکن وہ نسل ہے جو اپنے عزم و ارادے سے ہندوستان کو عالمی برادری میں قیادت کی صوبہ اول میں کھڑا کر سکتی ہے۔ انھوں نے مزید کہا کہ جی 20 کی روح انجمنیت، اشتراک اور شمولیت پر مبنی ہے اور ہندوستان نے اس فورم کو صرف ایک سیاسی یا معاشی اتحاد کے طور پر نہیں بلکہ ایک عالمی انسانی تحریک کی شکل میں پیش کیا ہے۔ ایک اہم مقرر اور مہمان ڈی وقار پروفیسر لوشن مشرا نے جی 20 کی تاریخی اہمیت پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ جی 20 صرف ایک اقتصادی یا سیاسی فورم نہیں بلکہ عالمی ہم آہنگی، انجمنی ترقی اور انسانی فلاح کا ایسا پلیٹ فارم ہے جس نے دنیا کو ایک نئی فکری سمت عطا کی ہے۔ انھوں نے کہا کہ جی 20 کے قیام سے لے کر آج تک اس نے دنیا کی معیشت کو استحکام بخشے، غربت کے خاتمے، ماحولیاتی تحفظ اور پائیدار ترقی کے لیے لمباں کر دیا ہے۔ اس افتتاحی اجلاس کی انجمنیت ڈاکٹر نیرج شکلا نے کی۔

اس سیمینار کے پہلے گھنٹہ کی اجلاس کی صدارت کرتے ہوئے پروفیسر پرمود کمار گپتا نے کہا کہ ہندوستان آج دنیا کی سب سے بڑی نوجوان آبادی کا حامل ملک ہے۔ یہ نوجوان ہمارے ملک کا سب سے قیمتی اثاثہ ہیں۔ وہ توانائی کا دوسرا چشمہ ہیں جو اگر صحیح سمت میں رواں ہو جائے تو قوم کو ترقی، خود انحصاری اور عالمی

ایس ٹی ڈی کوڈ کے ساتھ 1950 ڈاکل کریں۔ تمام ضلع انکیشن افسران کو یہ بھی ہدایت دی گئی ہے کہ وہ خصوصی نظر رانی کی روزانہ کی پیش رفت میڈیا کے ساتھ شیئر کریں اور اسے اپنے سوشل میڈیا ویڈیو کے ذریعہ پھیلا دیں۔

2003 کی وولرسٹ میں شامل ہیں، موجودہ وولرسٹ کے ساتھ میٹنگ ایگے 3 دنوں میں مکمل کی جائے۔ وولرسٹ کی سہولت کے لیے انکیشن کمیشن آف انڈیا نے بی ایل او کے ساتھ ایک کال پک کر ڈی سہولت فراہم کی ہے جس کے تحت کوئی بھی وولرسٹ کے ذریعہ اپنے بی ایل او سے بات کرنے کی

بے ضابطگی برداشت نہیں کی جائیگی

سر نو دیپ رنوائے ورچول میٹنگ میں ضلع افسران کو کیا متنبہ

قیادت کی منزل تک پہنچا سکتا ہے۔ تاہم یہ سفر آسان نہیں۔ تعلیم کا بدلہ ہوا مگر جامہ روزگار کی غیر یقینی صورت حال، ٹیکنالوجی کے چیلنجز اور سماجی عدم مساوات جیسے مسائل ہمارے نوجوانوں کے سامنے بڑی آزمائشیں ہیں مگر امکانات بھی اتنے ہی وسیع ہیں۔ حکومت ہند کی انیسویں، عالمی تعاون اور نوجوانوں کی گفتگو قوتیں ہمارے لیے نئے دروازے کھول رہی ہیں۔ ڈاکٹر ویر کمار ترپاچی (دیہانت، ہندو بی بی کاٹیج) اور پروفیسر اے۔ کے سنگھ (مہاراجہ اکریشن یونیورسٹی، جالپائی پور) نے اس اہم موضوع پر اپنے خیالات کا اظہار کیا اور معاصر عہد کی عالمی سیاست اور اقتصادی قوت کے حصول میں اس کی اہمیت اور معنویت پر تفصیلی گفتگو کی۔ اس گھنٹہ کی اجلاس کی انجمنیت ڈاکٹر لوشن مشرا نے کی۔ اس سیمینار کے دوسرے گھنٹہ کی اجلاس کی صدارت پروفیسر بی بی سنگھ (شعبہ 7 کانسز ماں پائیشور یونیورسٹی، بھرام پور) نے کی۔ انھوں نے اپنی صدارتی تقریر میں کہا کہ دنیا اس وقت جن تیز رفتار تبدیلیوں سے گزر رہی ہیں ان میں نوجوان نسل کی حیثیت بنیادی کاٹھن ہے۔ معیشت ہو یا ٹیکنالوجی، سماج ہو یا ثقافت۔ ہر میدان میں نوجوان ہی وہ قوت ہیں جو مستقبل کی سمت متعین کر سکتی ہے۔ اسی حقیقت کو مد نظر رکھتے ہوئے جی 20 اعلامیہ نے نوجوانوں کو عالمی ترقی کے مرکزی ستون کے طور پر تسلیم کیا ہے۔ یہ اعلامیہ صرف اقتصادی یا سیاسی مفادات کا مجموعہ نہیں بلکہ ایک ایسا فکری منشور ہے جو مساوات، اشتراک، انجمنیت اور پائیدار ترقی کے اصولوں پر استوار ہے۔ پروفیسر سنوٹش کوڈ (جوہر لال نہرو یونیورسٹی، بی بی کاٹیج ہارہنگی) اور پروفیسر دیپالی سنگھ (میٹا مہا او پیالہ، بی بی کاٹیج کانپور) نے اس اہم موضوع کے دوسرے حصے مسائل اور امکانات پر تفصیل سے گفتگو کی۔ اس دوسرے گھنٹہ کی اجلاس کی انجمنیت ڈاکٹر محمد اکمل کی۔ اس سیمینار کے دونوں گھنٹہ کی اجلاس میں اس اہم موضوع کے تعلق سے مقالہ نگاروں نے اپنے مقالے پیش کیے جن پر سوالات بھی قائم کیے گئے اور مقالہ نگاروں نے ان کے تکنیکی بخش جوابات بھی دیے۔ اس سیمینار مختلف شعبوں کے اساتذہ کے علاوہ طلبہ بھی کثرت کے ساتھ شرکت کی۔

اردو زبان ہندوستان کی مشترکہ تہذیب کی بنیادوں میں گہرائی تک پیوست ہے: احمد ابراہیم علوی

لینگویج یونیورسٹی کے شعبہ اردو میں یوم اردو اور یوم تعلیم کی مناسبت سے پروگرام کا انعقاد



لکھنؤ، 13 نومبر 2025: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے شعبہ اردو میں آج یوم اردو اور یوم تعلیم کی مناسبت سے ایک شاندار اور پروقار تقریب کا انعقاد کیا گیا۔ اس موقع پر علمی و ادبی ماحول میں زبان و تعلیم کے فروغ کے حوالے سے نہایت اہم غیلات پیش کیے گئے۔ تقریب کے آغاز میں نثار پروین مدینہ بامداد مدینہ نے اردو زبان کے حوالے سے ایک مختصر و گہرے تقریب پیش کیا اور تمام دست و پاؤں سے فروغ دیا۔ اہم قائد احمد حسن اکبر (ریسرچ اسکالر) نے مشاہیر اساتذہ کی غزلوں کے ساتھ اپنی تخلیق کی ہوئی غزلیں پیش کیں۔ تقریب کے مہمان خصوصی کے طور پر معروف صحافی و ادیب اور روزنامہ آگ کے سابق ایڈیٹر احمد ابراہیم علوی نے شرکت کی۔ اپنے خطاب میں انھوں نے کہا کہ اردو زبان ہندوستان کی مشترکہ تہذیب کی بنیادوں میں گہرائی تک پیوست ہے۔ اس زبان نے ہمیشہ ہوں کو جوڑا ہے اور مختلف مذاہب اور مذاہب کے درمیان ایک مضبوط رشتہ قائم کیا ہے۔ انھوں نے کہا کہ اردو صرف ہندوستان کا زبان نہیں بلکہ ایک دماغ اور فکر ہے۔ محبت کی زبان ہے جو ان کو روشن اور دل کو نرم بناتی ہے۔ احمد ابراہیم علوی نے طلبہ کو مخاطب کرتے

ہوئے کہا کہ اردو زبان کے فروغ کے بغیر ہم اپنے تہذیبی و ثقافتی ورثے کو کھو دیتے ہیں۔ انھوں نے اس بات پر زور دیا کہ اردو کو محض ایک مضمون کے طور پر نہ دیکھیں بلکہ اسے اپنی گہرائی اور ثقافت کا حصہ بنائیں۔ تقریب کی صدارت کرتے ہوئے داس پائٹر پروڈیوسر نے کہا کہ اردو زبان اصل ہندوستانی لنگا یعنی تہذیب کی زکوۃ و عادت ہے جس میں محبت، دروہاری اور انجی کے رنگ ملتے ہیں۔ انھوں نے کہا کہ یوم تعلیم ہمیں مولانا ابوالکلام آزاد کی تعلیمی بصیرت اور ان کے انتہائی تقریبات کی یاد دلاتا ہے جن کی بنیاد پر مساوات، آزادی فکر اور قومی اتحاد پر استوار

شاعری میں بتاتی ہے کہ تعلیم کا مقصد صرف حصول روزگار نہیں بلکہ انسان کے اندر خواب دیکھنے اور انھیں تعبیر دینے کی قوت پیدا کرنا ہے۔ پروگرام کے اختتامی اجلاس سے خطاب کرتے ہوئے صدر شعبہ اردو پروفیسر قیام سعید نے کہا کہ مولانا ابوالکلام آزاد نے صرف ہندوستان کے پہلے طرز تعلیم تھے بلکہ ایک صاحب اسلوب و ادب، فلم پاپو مفسر قرآن، بے مثال خطیب اور روحانی سربراہ قوم بھی تھے۔ ان کی تقریریں میں علم و ادب کا بیجا مسکن محزون مٹا ہے جو آج بھی نئی نسل کے لیے مشعل رہا ہے۔ انھوں نے کہا کہ مولانا آزاد کی علمی بصیرت اور اردو سے وابستگی ہمیں یہ سبق دیتی ہے کہ تعلیم کا مقصد صرف

تعلیمی پروڈیوسر بنانے کا نہیں بلکہ ایک بہتر انسان بنانا ہوتا ہے۔ اور یہی مولانا آزاد کی تعلیم کا اصل مقصد ہے۔ انھوں نے طلبہ کو اردو کا علم حاصل کرنے کے ساتھ ساتھ زبان و ثقافت کی قدردانی کو بھی سکھایا۔ انھوں نے اپنی تقریب میں علامہ اقبال کی اردو و فارسی شاعری کے دہائی حلق پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ اقبال کی شاعری اصل علم، محبت اور روحانیت کا مجموعہ ہے جو انسان کو گہرائی بلندی عطا کرتا ہے۔ انھوں نے کہا کہ اقبال نے فارسی میں آفاقی فکر کو اردو میں قومی شعور کو صوت دی۔ ان کی

شاعری میں بتاتی ہے کہ تعلیم کا مقصد صرف حصول روزگار نہیں بلکہ انسان کے اندر خواب دیکھنے اور انھیں تعبیر دینے کی قوت پیدا کرنا ہے۔ پروگرام کے اختتامی اجلاس سے خطاب کرتے ہوئے صدر شعبہ اردو پروفیسر قیام سعید نے کہا کہ مولانا ابوالکلام آزاد نے صرف ہندوستان کے پہلے طرز تعلیم تھے بلکہ ایک صاحب اسلوب و ادب، فلم پاپو مفسر قرآن، بے مثال خطیب اور روحانی سربراہ قوم بھی تھے۔ ان کی تقریریں میں علم و ادب کا بیجا مسکن محزون مٹا ہے جو آج بھی نئی نسل کے لیے مشعل رہا ہے۔ انھوں نے کہا کہ مولانا آزاد کی علمی بصیرت اور اردو سے وابستگی ہمیں یہ سبق دیتی ہے کہ تعلیم کا مقصد صرف

مطالعہ و تحقیق کے وسائل کی جدید کاری کی سمت میں ایک اہم قدم

لینگویج یونیورسٹی کی رام پرساد بسمل لائبریری می نیٹ ورک کارنر اور جدید ریڈنگ روم کا افتتاح



لکھنؤ، 8 نومبر (پی آر) خواجہ مصین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کی رام پرساد بسمل لائبریری میں آج اطلاعات و کتب خانہ نیٹ ورک کارنر اور جدید ٹیکنالوجی کے وسائل اور سہولیات سے آراستہ نیا ریڈنگ روم قائم کیا گیا جس کا افتتاح یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اے بی تیجا نے افتتاح کیا۔ اس موقع پر پروفیسر تیجا نے اپنے خطاب میں کہا کہ رام پرساد بسمل لائبریری یونیورسٹی کے علمی و تحقیقی وسائل کا مرکز ہے۔ اطلاعات و کتب خانہ نیٹ ورک کارنر اور جدید ٹیکنالوجی کے وسائل اور سہولیات سے آراستہ نیا ریڈنگ روم طلبہ وریسرچ اسکالرز کو ڈیجیٹل دور کی اعلیٰ سہولتیں فراہم کرے گا جس سے ان کی علمی و تحقیقی صلاحیتوں میں نمایاں اضافہ ہوگا۔ لائبریری کے انچارج پروفیسر مسعود عالم فلاحی نے بتایا کہ اطلاعات و کتب خانہ نیٹ ورک کارنر اور جدید ٹیکنالوجی کے

وسائل اور سہولیات کی یہ پہل طلبہ کو قومی و بین الاقوامی امکانات پیدا کریں گی اور یونیورسٹی کی تحقیقی و علمی

سرگرمیوں کو ادارہ جاتی مضبوطی میسر آئے گی۔ نیا ریڈنگ روم سابقہ مطالعہ گاہ کا توسیعی حصہ ہے جس میں وائی فائی سمیت کئی جدید خصوصیات شامل کی گئی ہیں۔ یہاں نصب الگ الگ ورک اسٹیشن طلبہ و محققین کو ایک پرسکون، منظم اور علمی ماحول فراہم کریں گے۔ اس افتتاحی پروگرام کی کامیاب تنظیم میں لائبریری ٹیم کے اراکین برٹش تیواری، راکیش مشرا اور محمد ویم کا خصوصی کردار رہا۔ اس موقع پر ڈاکٹر سید اسرار حسین رضوی (کوآرڈینیٹر، انٹلیجیٹ نیٹ)، ڈاکٹر بیچش تریویدی، روی کیش مور یہ سمیت متعدد واساتذہ اور بڑی تعداد میں طلبہ و طالبات موجود تھے۔ یونیورسٹی انتظامیہ کے مطابق یہ اقدام ادارے کے لائبریری وسائل کی جدید کاری کی سمت میں ایک اہم سنگ میل ہے جو طلبہ کو ڈیجیٹل تعلیمی ماحول سے جوڑتے ہوئے انہیں عالمی سطح کی علمی و تحقیقی مسابقت کے لیے تیار کرے گا۔

خیال اور اسکرپٹ ہی کامیاب فلم کی بنیاد ہیں: ہیمنت تیواری

لینگوتج یونیورسٹی میں طلبہ میں فلم میکنگ کے تخلیقی جوہر کو نکھارنے کے لیے ورکشاپ کا انعقاد

کی فلمی روانی اور مظہر نامے کی معنویت پر خاص توجہ دینی چاہیے۔ اسٹوری بورڈنگ کے مرحلے کو انھوں نے فلم کا "نقشہ" قرار دیا جو ہدایت کار کو اپنے تخلیقی ویژن کو عملی جامہ پہنانے میں مدد دیتا ہے۔ ہیمنت تیواری نے ایک لائو ڈیمو سیشن میں طلبہ کے ساتھ ایک شارٹ فلم کی شوٹنگ بھی کرائی جس کے دوران طلبہ نے کمر و اینگل، تیر یوٹریٹس، سائڈ ریکارڈنگ اور وچل کپوزیشن کا عملی تجربہ حاصل کیا۔ اپنے خطاب کے اختتام پر ہیمنت تیواری نے کہا کہ فلم ایک اجتماعی فن ہے، جس میں ٹیم ورک، صبر اور سلیقہ لازمی ہے۔ انھوں نے طلبہ کو یقین دلایا کہ اگر وہ لگن، مشق اور مطالعہ کے ساتھ آگے بڑھیں تو ان کے لیے فلم انڈسٹری میں کامیابی کے دروازے ضرور کھلیں گے۔ شعبہ صحافت و ابلاغ عامہ کی انچارج ڈاکٹر زہینا علی نے پودھری نے بتایا کہ یہ ورکشاپ شعبے کی باقاعدہ تعلیمی سرگرمیوں کا حصہ ہے جس کا مقصد طلبہ کو عملی تربیت فراہم کرنا ہے۔ ان کے مطابق فلم میکنگ صرف تکنیک نہیں بلکہ ایک نقطہ نظر ہے جو سوچنے، دیکھنے اور پیش کرنے کا نیا طریقہ سکھاتی ہے۔ اس ورکشاپ میں ڈاکٹر محمد رشید، ڈاکٹر کاظم رضوی، ڈاکٹر محمد شعیب کے علاوہ طلبہ بھی



نے اپنے خطاب میں فلم میکنگ کے عملی اور تخلیقی دونوں پہلوؤں پر تفصیل سے روشنی ڈالی۔ انھوں نے کہا کہ ایک کامیاب فلم کی بنیاد ہمیشہ ایک مضبوط خیال اور چلتے اسکرپٹ پر ہوتی ہے۔ ان کے مطابق کہانی

لکھنؤ، 3 نومبر 2025: خواجہ معین الدین چشتی لینگوتج یونیورسٹی کے شعبہ صحافت و ابلاغ عامہ کی جانب سے وائس چانسلر پروفیسر اسے تیجا کی صدارت میں آج ایک روزہ فلم میکنگ ورکشاپ کا انعقاد اہل ہال میں کیا گیا۔ اس ورکشاپ کا مقصد طلبہ کو فلم سازی کے عملی مراحل، تکنیکی پہلوؤں اور تخلیقی زاویہ نظر سے روشناس کرانا تھا۔ اس ورکشاپ میں وائس چانسلر پروفیسر اسے تیجا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ فلم شخص تفریح کا ذریعہ نہیں بلکہ ایک طاقتور ابلاغی وسیلہ ہے جو معاشرتی شعور کو بیدار کرنے، سماجی مسائل کو اجاگر کرنے اور مثبت تبدیلی لانے کی صلاحیت رکھتا ہے۔ انھوں نے کہا کہ آج کے ڈیجیٹل دور میں فلم سازی کا فن ہر طالب علم کے لیے یکساں ضروری ہے کیونکہ ہماری ابلاغی مستقبل کا سب سے مؤثر ذریعہ بننا جا رہا ہے۔ پروفیسر تیجا نے طلبہ کو نصیحت کی کہ وہ فلم میکنگ کو صرف پیش نہیں بلکہ اظہار خیال اور تخلیقی اظہار کے ایک ذمہ دارانہ عمل کے طور پر اپنائیں۔ انھوں نے مزید کہا کہ یونیورسٹی ہمیشہ طلبہ کو ایسے پلیٹ فارم فراہم کرتی رہے گی جہاں وہ اپنی تخلیقی صلاحیتوں کو عملی شکل دے سکیں۔

اس ورکشاپ کے مہمان خصوصی اور مرکزی مقرر معروف فلم ساز ہیمنت تیواری

लखनऊ मंगलवार, 04 नवम्बर 2025

इं
त
दी
ऑ
पहु
इं
त
दी
ऑ
पहु
प्र

काजिम रिजवी के साथ ही विश्वविद्यालय के सभी विभागों से विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

भाषा विश्वविद्यालय के छात्र निर्भय राज ने ताइवान में जीता स्वर्ण पदक



तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के एमबीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र निर्भय राज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने 24 से 26 अक्टूबर 2025 तक ताइपई शहर (ताइवान) के ताइपे अरेना स्टेडियम में आयोजित नवीं विश्व ताई ची प्रतियोगिता में भाग लेकर पुश हैंड (घूमदूद्ध) इवेंट के 55 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया।

इस प्रतियोगिता में दो प्रमुख श्रेणियाँ थीं – ताई ची और पुश हैंड। निर्भय राज ने पुश हैंड स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए

कुल चार मुकाबलों में से पहले जापान और दूसरे मलेशिया के खिलाड़ियों को पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को अपने विरोधी के संतुलन को तोड़ते हुए अंकों के आधार पर नॉकआउट मुकाबले जीतने होते हैं। निर्भय राज वर्ष 2021 से स्थानीय ड्रैगन एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट में श्री ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी के संरक्षण में पुश हैंड का नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसी वर्ष जनवरी माह में हैदराबाद में आयोजित 16वीं राष्ट्रीय कुंग फू प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने भारतीय टीम में अपनी जगह बनाई थी। इस उपलब्धि ➡ शेष पेज 07 पर

रूपा ई

शहर



अवधी संस्कृति पर शोध करना आसान

लखनऊ। अब लखनऊ में अवधी भाषा साहित्य एवं संस्कृति के अनेक पहलुओं पर शोध की सुविधा आसान होगी। केएमसी विवि की अवधी शोध पीठ में शोध प्रारंभ किया जाएगा।

इसके मद्देनजर विवि के कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ला को शोधपीठ समन्वयक बनाया गया है। डॉ. योगेंद्र सिंह सह समन्वय, डॉ. हिमांशु गंगवार और डॉ. आराधना अस्थाना सदस्य नामित हुए हैं।



अमर उजाला

न्यूज डायरी

निर्भय ने ताइवान में जीता स्वर्ण पदक

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय के एमबीए थर्ड सेमेस्टर के छात्र



निर्भय राज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने ताइवान में आयोजित नौवीं विश्व ताई ची प्रतियोगिता में पुश हैंड इवेंट के 55 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में दो

प्रमुख श्रेणियां ताई ची और पुश हैंड थी। इसमें निर्भय राज ने पुश हैंड स्पर्धा में कुल चार मुकाबलों में से पहले जापान और दूसरे मलेशिया के खिलाड़ियों को पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा, ये विश्वविद्यालय के अन्य छात्रों के लिए बड़ी प्रेरणा है। (संवाद)

लखनऊ, शनिवार, 8 नवंबर 2025

06

केएमसी के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

लखनऊ। केएमसी भाषा विवि के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों ने पीएन इंडस्ट्री का भ्रमण कर औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं, नवीन तकनीकों और सुरक्षा उपकरणों के निर्माण के बारे में जानकारी प्राप्त किया। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि औद्योगिक दौरे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ते हैं, जिससे वे उद्योग की वास्तविक जरूरतों को समझ भविष्य में बेहतर इंजीनियर बनते हैं।

पी.एस.ओ. दल द्वारा नाटक का प्रभावशाली मंचन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज राजभवन प्रेरणा कार्यक्रम के अंतर्गत राजभवन के पी.एस.ओ. दल द्वारा एक विचारोत्तेजक नाटक का मंचन किया गया। यह आयोजन महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन और राजभवन के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। नाटक का उद्देश्य समाज में नैतिक मूल्यों, स्वास्थ्य जागरूकता और सकारात्मक जीवन दृष्टि को बढ़ावा देना था। पी.एस.ओ. टीम ने उत्कृष्ट अभिनय, संवाद-अभिव्यक्ति और प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया। नाटक में तीन लघु प्रस्तुतियाँ – एक दिन मोबाइल के बिना, ज़हर नहीं जिंदगी चुनें और खानपान का तोहफ़ा प्रस्तुत की गई। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से आधुनिक जीवन में मोबाइल की लत, नशे से मुक्ति और संतुलित आहार के महत्व जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर संवेदनशील संदेश दिए गए। कार्यक्रम में कलाकारों के रूप में अरविन्द कुमार तिवारी, श्रीमती प्रीति, राजकुमार, राधाकृष्ण कुमार, राजीव सिंह,



राजकुमार, राजेश, बृजेश यादव, सावन, सुधांशु त्रिपाठी, रूपेन्द्र सिंह, श्रीमती कुसुम द्विवेदी, श्रीमती चाँदनी (राजभवन प्रेस), शनि कुमार, नव्या, तथा महिमा यादव ने प्रभावशाली भूमिकाएँ निभाईं। नाटक के लेखक एवं निर्देशक श्री कमल यादव थे, जबकि एंकरिंग श्री गिरीश सिंह सेगर ने की। लाइट का संचालन समाया सिंह एवं संतोष, संगीत का संयोजन अनवर, व्यवस्थापक संजय त्रिपाठी, तथा मेकअप मिराज आलम ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि राजभवन प्रेरणा कार्यक्रम समाज में जागरूकता और सकारात्मक सोच को सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस तरह के मंचन समाज में जनजागरण के प्रभावी माध्यम सिद्ध हो रहे हैं। वहीं कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने कहा कि राजभवन प्रेरणा जैसे प्रयास शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों को जोड़ते हैं।

यह देखकर प्रसन्नता होती है कि सुरक्षा कर्मी अपनी रचनात्मकता के माध्यम से समाज में महत्वपूर्ण संदेश दे रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में संयोजक एवं अध्यक्ष सांस्कृतिक समिति, डॉ. नलिनी मिश्रा ने सभी अतिथियों, राजभवन की टीम और विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है, जो विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर कुलपति प्रो० तनेजा एवं राज भवन की टीम की उपस्थिति में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन भी योग वाटिका में डॉ० नलिनी मिश्रा द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संकाय सदस्यों और प्रशासनिक अधिकारियों का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर प्रो. चंदाना दे, प्रो० तनवीर खदीजा, डॉ० शालिनी, डॉ० नीरज शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

تحقیق وہی معنی خیز ہے جو نئے زاویے اور علمی خلا کی نشاندہی کرے: پروفیسر دنیش کمار

لینگویج یونیورسٹی میں نئے پی ایچ ڈی مقالہ نگاروں کے لیے جامع اورینٹیشن پروگرام کا انعقاد

لکھنؤ (پریس ریلیز) : گوانگ جی
 کہ ہے کائناتی لنگر کا پیر جی میں سے صادر ہوا
 پانچواں ایجنٹ کاروں کے لیے ایک سرور، مہم
 سر مصلحتی اور مصلحتیں پرور گرام کا لنگر میں ہاں
 میں کیا کیا۔ اس پرور گرام کا مصلحتیں کاروں کو
 ہندو کی باتیں، عقلی اعداد، علمی وسائل اور
 فوجی سے واقف کرانہ تھا، تاکہ وہ اپنی عقلی
 زندگی کا آغاز ہاتھ اور مہم اور مصلحتی
 کر سکیں۔ اس پرور گرام کے آغاز میں مصلحتی
 گرام پرور گرام پرور گرام سے سہماں کا
 احتیاج کرتے ہوئے اس موضوع کی اہمیت و حق
 کی بات اور ضرورت پر اہم تھاں کیا۔ مصلحتی
 احتیاجی گرام کے ہر پیر جی کے اس پرور گرام
 پرور گرام سے لکھنے کی، اپنے مصلحتی
 میں اس پرور گرام کو مصلحتی کے سے مصلحتی آغاز
 اور اپنے ہونے کیا کہ یہ مصلحتی مصلحتی
 کاروں کو علمی ہونے کی مصلحتی مصلحتی کی
 باتیں اور اس مصلحتی مصلحتی اور اس سے
 وہاں کرنا ہے۔ پرور گرام سے لکھنے کا
 مصلحتی کی مصلحتی کی مصلحتی کا مصلحتی ہے
 مصلحتی کی مصلحتی کی مصلحتی کرتے ہونے
 "مصلحتی" مصلحتی ہونے ہے۔ مصلحتی سے
 کار اور مصلحتی اور اس پرور گرام کا مصلحتی

انقلاب کر کے جو چاہی ہوئی غلامی ضرور پاتے اور
جو غلامی کاغذوں سے عیاں ہو چکے ہیں۔
اس اور پیشانی پر گرام کے مہمان خصوصی
اور کھٹہ پر یو۔ پی کے شہزادہ شمیم کے صدر پر فیسر
پہن کما، نے اپنے خطاب میں ریفری کا کارنامہ
مختصر ہے کہ اسے کہہ کر کسی بھی عقل مند کے
کو متحیر نہ کریں گے بلکہ صرف اپنی دلچسپی

کے مطابق اس کا طاقہ ضروری ہے بلکہ آزاد سیر کرنے اور غیر متکثر اور آزاد چلنے کی راہ نرج کا کاغذ اور جائزہ کی اجازت نامہ ہے۔ ان کے مطابق ایک ایسی تحقیق کی بنیاد پر اس وقت مفہوم ہوتا ہے جب طالب علم کو اس کے کسی موضوع پر پہلے سے کتنا کام ہو چکا ہے اور اس موضوع کے مطابق کون سا علم یا قائل تحقیق ہے۔ انہوں نے اس طرح کی تحقیق

دشمنوں کی جگہ سے لے کر موشوں کی دنیا تک ہر
پاکوئی اللہ کے کرنے سے ہوتی ہے۔ ان ہی
اللہ کی مدد سے قوم ہوتی ہے اور ان ہی اللہ
کائنات کی مدد سے۔ اگر کسی موشوں پر چھوڑا جاو
تو جگہ سے قتل ہوتا تو اس کا مطلب ہے کہ اس پر
تاکہ ۱۳۳۵ھ سے ۱۳۳۶ھ تک عالم میں کسی طاقت
کے اندر موشوں کا کوئی اثر نہ رہا ہو۔

نے کر رکھا ہے۔ راحیوں نے یہ بھی کہا کہ رابرٹ اسکالز، کنگز کالج، برع کے دوران میں تھامس جیوہو جو ۱۹۵۸ء میں اپنی ایسی ہیجسوس اور کارٹون پر اسے لڑکا فضیلتی جاز کر دیا تھا ہے جس سے پتا چلتا ہے (۱۹۷۷ء) ہے کہ راحیوں کی چہرے سے عمل ہے اور ان کی طرح فضیلتی کی کارٹون ہوتی ہے جو تھامس جیوہو سے وقت اور ان کی حالت صحت کے انصاف کو سامنے رکھتے ہوئے



लखनऊ, 12 नवंबर, 2025 **दैनिक जागरण** |||

मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती मनाई

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री महान शिक्षाविद और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाई

गई। इस अवसर पर विविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग ने फोटो फ्रेम, भाषण प्रतियोगिता के साथ पौधारोपण अभियान भी चलाया। कार्यक्रम में प्रो. चंदना डे, डा. राम दास, डा. विभा सिंह आदि उपस्थित रहे। वि

لینگوئج یونیورسٹی میں ”جی 20 اعلامیہ اور ہندوستانی نوجوانوں کی صلاحیتوں کا فروغ: مسائل و امکانات“ میں دورہ سمینار کا آغاز

خیالات کا اظہار کیا اور معاشرہ کی مالی
 سیاست اور اقتصادی قوت کے حصول میں اس کی
 اہمیت اور معنویت پر تفصیلی گفتگو کی اس گفتگو
 اہاں کی نظامت ڈاکٹر بشری اور وہ نے
 کی اس سیمینار کے دوسرے گفتگو اہاں کی
 صدارت پروفیسر لی پی سنگھ (شعبہ کامرس میں
 پائیشہ یونیورسٹی بلرام پور) نے کی انھوں نے
 اپنی صدارتی تقریر میں کہا کہ یہاں وقت جن
 تیز رفتار تبدیلیوں سے گزر رہی ہے ان میں
 نوجوان نسل کی حیثیت بنیاد کی جگہ
 ہے معیشت ہو یا تکنیکی و سماجی ہوا یا ثقافت
 ہر میدان میں نوجوان ہی وہ قوت ہیں جو
 مستقبل کی سمت متعین کر سکتی ہے اس
 حقیقت کو مد نظر رکھتے ہوئے ہی 20 سالہ
 نے نوجوانوں کو عالمی ترقی کے مرکزی ستون
 کے طور پر تسلیم کیا ہے یہ اعلا ہے صرف
 اقتصادی یا سیاسی معاملات کا مجموعہ نہیں بلکہ
 ایک ایسا فکری منشور ہے جو مسالمت
 اشتراک اور جماعت پر پائیدار ترقی کے حصول
 پر استوار ہے پروفیسر سنوٹش گولا (جواہر لال
 نہرو میموریل یونیورسٹی کان پور) نے پروفیسر
 واپلی سنگھ (میٹا مہاراجہ یونیورسٹی کان پور)
 کو بھیجے گئے اس اہم موضوع کے دوسرے
 حصے مسائل اور تدابیر پر تفصیل سے گفتگو
 کی اس دوسرے گفتگو اہاں کی نظامت
 ڈاکٹر جمنا کمل کی

مطالعہ و تحقیق کے وسائل کی جدید کاری کی سمت میں ایک اہم قدم

لینگو بیج یونیورسٹی کی رام پدساڈ سہمل لائبریری می نیٹ ورک کارنر اور جدید ریڈنگ روم کا افتتاح

لکھنؤ، 8 نومبر 2025: خواجہ معین الدین
پاشا لینگو بیج یونیورسٹی کی رام پدساڈ سہمل لائبریری
میں آج اطلاعات و کتب خانہ نیٹ ورک کارنر اور
جدید ٹیکنالوجی کے وسائل اور سہولیات سے آراستہ
نیا ریڈنگ روم کا افتتاح کیا گیا جس کا افتتاح یونیورسٹی
کے وائس چانسلر پروفیسر اے جے جیہا نے افتتاح
کیا اس موقع پر پروفیسر جیہا نے اپنے خطاب
میں کہا کہ رام پدساڈ سہمل لائبریری یونیورسٹی کے
علمی و تحقیقی وسائل کا مرکز ہے۔ اطلاعات و کتب خانہ
نیٹ ورک کارنر اور جدید ٹیکنالوجی کے وسائل
اور سہولیات سے آراستہ نیا ریڈنگ روم طلبہ و
اساتذہ کی سہولتوں کو یقینی بنانے کی کوششیں
فرام کرے گا جس سے ان کی علمی و تحقیقی صلاحیتوں
میں نمایاں اضافہ ہوگا۔ لائبریری کے انچارج
پروفیسر مسعود عالم خاں نے بتایا کہ اطلاعات و کتب
خانہ نیٹ ورک کارنر اور جدید ٹیکنالوجی کے وسائل
اور سہولیات کی یہ پہلی طلبہ کو قومی و بین الاقوامی
ای۔ وسائل تک رسائی فراہم کرے گا اور جدید طرز
کے ورک اسٹیشن اور سہولیات مطالعہ و تحقیق کے



نے امکانات پیدا کر دیے اور یونیورسٹی کی علمی
و علمی سرگرمیوں کو تیز کرنے والی ممبرٹی میسر آئے
گی۔ نیا ریڈنگ روم سہمل مطالعہ خانہ کا قیام جس
سے اس میں وائی فائی سمیت کئی جدید خصوصیات
فائل کی گئی ہیں۔ یہ سہل نصب الگ الگ
ورک اسٹیشن طلبہ و محققین کو ایک بہ سکون، منظم اور علمی
ماحول فراہم کریں گے۔ اس افتتاحی پروگرام کی
لامیاب شکستہ میں لائبریری ٹیم کے اہلکارین ہر ش
جوازی سہولتیں پیش کر رہے ہیں۔

رہا اس موقع پر ڈاکٹر سید اسد رحمان رضوی
(گورنمنٹ پروفیسر، انجینئرنگ) (ڈاکٹر سید شمس
ترویجی اور یونیورسٹی کونسل میں اس کی اہمیت متعین کرانے اور
بڑی تعداد میں طلبہ و طالبات موجود تھے۔ یونیورسٹی
انجینئر کے مطابق یہ اقدام اور اس کے
لائبریری و وسائل کی جدید کاری کی سمت میں ایک
اہم قدم ہے جو طلبہ کو ڈیجیٹل تعلیمی ماحول
سے جوڑے گا۔ اس کے اہلکارین مالی سہولت کی کمی و تحقیقی
مساہمت کے لیے تیار کرے گا۔

خواجہ یونیورسٹی میں اسپارکس کلب کی افتتاحی تقریب کا انعقاد

لکھنؤ (پریس ریلیز) خواجہ معین الدین چشتی یونیورسٹی یونیورسٹی کے فیکلٹی آف انجینئرنگ اینڈ ٹیکنالوجی کے شعبہ میکینیکل انجینئرنگ میں آج عملی صلاحیتوں اور تخلیقی سوچ کو فروغ دینے



کے لیے اسپارکس کلب کا افتتاح وائس چانسلر پروفیسر اسے تیجا کے ہاتھوں انجام پایا۔ یہ تقریب نہایت وقار اور علمی ماحول میں منعقد ہوئی جسے ادارہ جاتی ترقی کے ایک اہم سنگ میل کے طور پر دیکھا جا رہا ہے۔ اس موقع پر وائس چانسلر پروفیسر اسے تیجا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ آج کا دور تکنیکی اور ہے اور وہ ہم سے غلطاً کرتا ہے کہ انجینئرنگ تعلیم کو محض نظریاتی دائرے تک محدود نہ رکھا جائے بلکہ اسے تحقیق، اختراع اور عملی تربیت سے جوڑا جائے اور یونیورسٹی میں اسپارکس کلب جیسے پلیٹ فارم طلبہ کو نئے خیالات کی تلاش، عملی تجربات، تخلیقی مسابقت اور پروجیکٹ ویئر لرننگ کے بہترین مواقع فراہم کرتے ہیں۔ مجھے یقین ہے کہ یہ کلب طلبہ کے اندر وہ قابلیت پیدا کرے گا جس کی ضرورت قومی اور عالمی سطح پر صنعتوں کو ہے۔ شعبہ میکینیکل انجینئرنگ کے انچارج سربراہ ڈاکٹر سید اصغر حسین رضوی نے اسپارکس کلب کے مقاصد، اہدائے اور مستقبل کے منصوبوں پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے بتایا کہ اس کلب کے تحت طلبہ کو حقیقی انجینئرنگ مسائل کے حل، تجزیاتی سیکھنے، ورکشاپس، سروبوٹس، آٹومیشن، تخلیقی پیمائش اور انڈسٹری انکوائشن جیسے اہم مواقع فراہم کیے جائیں گے۔ تقریب میں فیکلٹی اراکین سمیت ریٹائرڈ اعلیٰ کسٹم اور پرنسپل کے ساتھ طلبہ نے کثرت کے ساتھ شرکت کی۔

متحدہ ہندوستان کی تعمیر میں سردار پٹیل کا اہم کردار: پروفیسر اے تنجیا سردار ولہ بھائی پٹیل جینتی پر لینگو تاج یونیورسٹی میں باوقار تقریب اور رن فار یوٹی کا انعقاد

لکھنؤ: خواجہ معین الدین چشتی لینگو تاج یونیورسٹی میں سردار ولہ بھائی پٹیل جینتی نہایت جوش و خروش اور قومی جذبے کے ساتھ منائی گئی۔ اتر پردیش کی گورنر اور یونیورسٹی کی چانسلر آنندی بن پٹیل کی

جدید ہندوستان کے معماروں میں سے ایک تھے۔ ان کی عملی سوچ، مضبوط ارادہ، اور غیر متزلزل عزم نے آزاد ہندوستان کی بنیادوں کو مستحکم کیا۔ انہوں نے جس تدبیر اور جرأت کے ساتھ آزاد ہندوستان کے خطرے میں پڑے ہوئے سیاسی اور جغرافیائی تانے بانے کو جوڑا وہ کسی محض نظریاتی قائدے سے بڑھ کر ایک عہد عمل کی مثال ہے۔

انہوں نے بتایا کہ پٹیل نے جہاں ضرورت پڑی سخت موقف اختیار کیا وہیں مذاکرات اور سمجھوتے کے ذریعے بھی بہت سی ریاستوں کو مرکز کے ساتھ جوڑا۔ اس توازن کو انہوں نے نرمی کے ساتھ مضبوطی قرار دیا۔ اس موقع پر ڈاکٹر



ہدایات کے مطابق شعبہ جغرافیہ کے زیر اہتمام سردار پٹیل اور قومی یکجہتی کے عنوان سے ایک خصوصی پروگرام کا انعقاد کیا گیا، جس میں سردار ولہ بھائی پٹیل کی قومی خدمات اور ان کی قیادت کو خراج عقیدت پیش کیا گیا۔ پروگرام کے اختتام کے اتحاد دوڑ (Unity for Run) کا انعقاد کیا گیا جس کا آغاز ابوالکلام آزاد اکیڈمک بلاک سے ہوا اور دوڑ کا اختتام یونیورسٹی کیمپس سے باہر واقع فٹینک یوگیٹ پر ہوا۔ اس موقع پر وائس چانسلر پروفیسر اے تنجیا نے ہری جھنڈی دکھا کر دوڑ کا آغاز کیا۔ اپنے خطاب میں پروفیسر اے تنجیا نے سردار ولہ بھائی پٹیل کی ہمہ جہت شخصیت پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا: "سردار ولہ بھائی پٹیل نہ صرف ایک عظیم سیاست داں تھے بلکہ وہ

مندی کے ساتھ مختلف ریاستوں کو ایک متحد ہندوستان کی شکل میں جوڑا، وہ تاریخ کا ناقابل فراموش کارنامہ ہے۔ اس موقع پر مہمان خصوصی ڈاکٹر منجول ترویدی نے سردار ولہ بھائی پٹیل کے ایک متحدہ اکھنڈ بھارت کے تصور کے موضوع پر اپنا کلیدی خطبہ پیش کیا۔ انہوں نے اپنے کلیدی خطبے کا آغاز سردار ولہ بھائی پٹیل کی مختصر سیرت اور ان کے دور قیادت کے تاریخی پس منظر کی طرف اشارہ کرتے ہوئے کیا۔ انہوں نے کہا کہ سردار پٹیل نے

راہل مشرا نے وکست بھارت پر تفصیل کے ساتھ گفتگو کی اور ان پالیسیوں کو بھی اجاگر کیا جن کے ذریعے نئے بھارت کی تعمیر ممکن ہو سکے گی۔ پروفیسر حیدر علی نے بھی اس موضوع پر تفصیل کے ساتھ گفتگو کی۔ اس پروگرام کی نظامت ڈاکٹر پر یاد یوی اور شکرے کے کلمات ڈاکٹر ظنی مشرا نے ادا کیا۔ اس پروگرام کے آخر میں ہندوستان کو متحد رکھنے کا حلف بھی لیا گیا۔ اس موقع پر تمام اساتذہ اور طلبہ کثیر تعداد میں موجود تھے۔

ہندوستان کی شکل میں جوڑا، وہ تاریخ کا ناقابل فراموش کارنامہ ہے۔ اس موقع پر مہمان خصوصی ڈاکٹر منجول ترویدی نے سردار ولہ بھائی پٹیل کے ایک متحدہ اکھنڈ بھارت کے تصور کے موضوع پر اپنا کلیدی خطبہ پیش کیا۔ انہوں نے اپنے کلیدی خطبے کا آغاز سردار ولہ بھائی پٹیل کی مختصر سیرت اور ان کے دور قیادت کے تاریخی پس منظر کی طرف اشارہ کرتے ہوئے کیا۔ انہوں نے کہا کہ سردار پٹیل نے

हरियाणा का भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास में रहा अहम योगदान

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में हरियाणा स्थापना दिवस का आयोजन अत्यंत उत्साह, सांस्कृतिक गरिमा और राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देशन तथा माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नलिनी मिश्रा, अध्यक्ष, सांस्कृतिक समिति रहें, जिन्होंने पूरे आयोजन का सफल संचालन किया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं कुलगीत प्रस्तुति से हुआ, जिसके बाद हरियाणा राज्य पर आधारित वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया। यह वृत्तचित्र डॉ. शचिन्द्र शेखर द्वारा तैयार किया गया था, जिसमें हरियाणा की



■ भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में हरियाणा स्थापना दिवस का भव्य आयोजन

ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक उपलब्धियों का प्रभावशाली चित्रण किया गया। विद्यार्थियों क्रमशः अमन कुमार एवं आविष्कार यादव ने हरियाणा की समृद्ध परंपराओं और गौरवशाली योगदान पर प्रेरक भाषण प्रस्तुत किए। इसके पश्चात सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला आरंभ हुई, जिसमें हरियाणा राज्य गीत, श्रीकृष्ण-सुदामा मिलन गीत तथा पारंपरिक लोकगीतों की प्रस्तुति नेहा सिंह एवं समूह द्वारा की गई जिसने सभी का

मन मोह लिया। सोनी, आदि एवं अर्चना द्वारा प्रस्तुत एकल एवं समूह नृत्य ने कार्यक्रम में रंग भर दिए, जबकि साक्षी एवं समूह के भावनात्मक नुक्कड़ नाटक ने समाज में एकता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में रंगोली, पोस्टर, क्विज एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था – हरियाणा का भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान, जिसमें विद्यार्थियों ने तार्किक और प्रभावशाली अभिव्यक्तियों से सबका ध्यान आकर्षित किया।

लखनऊ, 14 नवंबर, 2025 दैनिक जागरण III

एक दिसंबर से परीक्षाएं

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती
भाषा विश्वविद्यालय में दिसंबर-
2025 की स्नातक व परास्नातक
विषम सेमेस्टर परीक्षाएं एक दिसंबर
से शुरू होकर 20 दिसंबर तक
चलेंगी। विश्वविद्यालय ने आपत्तियों
के निस्तारण के बाद फाइनल
कार्यक्रम जारी कर दिया है। (जासं)

भाषा विवि में ड्रग डिलीवरी पर सम्मेलन का समापन

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान की ओर से ड्रग डिस्कवरी, डेवलपमेंट व ड्रग डिलीवरी पर चल रहे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। इसमें छह अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं, 22 विशिष्ट आमंत्रित वक्ताओं व 16 रिसोर्स विशेषज्ञों ने 10 वैज्ञानिक सत्रों, दो-दो मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति सत्रों व एक पैनल चर्चा में भाग लिया।

हिन्दुस्तान



केएमसी: परीक्षा फॉर्म कल तक भरें

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय ने 2025-26 में विषम सेमेस्टर पंजीकरण और सेमेस्टर फीस विलंब शुल्क

3000 रुपये के साथ 23 नवंबर तक भर सकेंगे। परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि भी विस्तारित की गई है। परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 24 नवंबर तक विस्तारित कर दी गई है।

पाँच तकनीकी सत्रों में शोध और नवाचार पर हुई विस्तृत चर्चा

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के फार्मैसी संकाय द्वारा दवा खोज, विकास एवं औषधि वितरण-2025 (ICD5-2025) विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 17 से 19 नवम्बर 2025 तक विश्वविद्यालय के अटल हॉल में किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वान शिक्षाविद, वरिष्ठ वैज्ञानिक, शोधकर्ता तथा प्रतिष्ठित औषधि उद्योगों के विशेषज्ञ आधुनिक फार्मैसी, नयी अनुसंधान प्रवृत्तियों और उभरती तकनीकों पर अपने विचार साझा कर रहे हैं। पूरे आयोजन का संचालन माननीय कुलपति प्रो० अजय तनेजा एवं संयोजन भेषजी विभाग की डायरेक्टर प्रो० शालिनी त्रिपाठी के नेतृत्व में किया जा रहा है।

18 नवम्बर को आयोजित वैज्ञानिक गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर पाँच तकनीकी



सत्र संपन्न हुए, जिनमें औषधि विकास, जैव-प्रौद्योगिकी, नैनो-चिकित्सा तथा सटीक औषधि-प्रेषण प्रणालियों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

प्रथम सत्र : औषधि विकास एवं प्राकृतिक स्रोतों पर आधारित अनुसंधान इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. सारिका सिंह (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीडीआरआई) ने की।

सी-मैप के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एन. पी. यादव ने प्राकृतिक औषधियों के विकास पर अपना मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि लैवेंडर के आवश्यक तेल तथा उसके प्रमुख तत्व लीनालूल और लीनालाइल

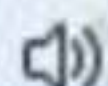
एसीटेट IMQ- प्रेरित सोरायसिस के उपचार में प्रभावी पाए गए हैं, जो त्वचा संबंधी रोगों के लिए इसके वैज्ञानिक उपयोग की पुष्टि करता है। इस शोध के लिए उन्हें वर्ष 2019 में विशेष वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। डॉ. शशांक सिंह (भारतीय एकीकृत औषधीय संस्थान, जम्मू) ने प्राकृतिक यौगिकों से कैंसर की जटिल किस्मों के लिए लक्षित उपचार विकसित करने पर प्रकाश डाला। प्रो. गौरव कैथवास (बीबीएयू, लखनऊ) ने आधुनिक शोध में सत्य, विश्वास और तकनीक की अपरिहार्यता पर अपने विचार प्रस्तुत किए।



3 Air: Moderate



ENG



10:11

خیال اور اسکرپٹ ہی کامیاب فلم کی بنیاد ہیں: ہیمنٹ تیواری

لینگویج یونیورسٹی میں طلبہ میں فلم میکنگ کے تخلیقی جوہر کو نکھارنے کے لیے ورکشاپ کا انعقاد



لکھنؤ، 3 نومبر (پنی آر) خواجہ معین الدین چشتی لکھنؤ یونیورسٹی کے شعبہ صحافت و اخبار عامہ کی جانب سے وائس چانسلر پروفیسر اسے نیجا کی صدارت میں آج ایک روزہ فلم میکنگ ورکشاپ کا انعقاد اہل ہال میں کیا گیا۔ اس ورکشاپ کا مقصد طلبہ کو فلم سازی کے عملی مراحل، تخلیقی پہلوؤں اور تخلیقی زاویہ نظر سے روشناس کرانا تھا۔ اس ورکشاپ میں وائس چانسلر پروفیسر اسے نیجا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ فلم حسن تفریح کا ذریعہ نہیں بلکہ ایک طاقتور راہِ اجتماعی وسیلہ ہے جو معاشرتی شعور کو بیدار کرنے، سماجی مسائل کو اجاگر کرنے اور مثبت تبدیلی لانے کی صلاحیت رکھتا ہے۔ انہوں نے کہا کہ آج کے انجینئرز اور مینجمنٹ میں فلم سازی کا فن ہر طالب علم کے لیے سیکھنا ضروری ہے کیونکہ عصری اخبارات مستقبل کا سب سے مؤثر ذریعہ بننا چاہیے۔ پروفیسر نیجا نے طلبہ کو نصیحت کی کہ وہ فلم

میکنگ کو صرف پیشکش بلکہ اظہار خیال اور تخلیقی اظہار کے ایک ذمہ دارانہ فعل کے طور پر اپنائیں۔ انہوں نے مزید کہا کہ یونیورسٹی ہمیشہ طلبہ کو ایسے پلیٹ فارم فراہم کرتی رہے گی جہاں وہ اپنی تخلیقی صلاحیتوں کو عملی طور پر نکھیں۔ اس ورکشاپ کے مہمان خصوصی اور مرکزی مقرر معروف فلم ساز سمیت تیواری نے اپنے

خطاب میں فلم میکنگ کے عملی اور تخلیقی دونوں پہلوؤں پر تفصیل سے روشنی ڈالی۔ انہوں نے کہا کہ ایک کامیاب فلم کی بنیاد ہمیشہ ایک مضبوط خیال اور پائندہ اسکرپٹ پر ہوتی ہے۔ ان کے مطابق کہانی ہی وہ روح ہے جو فلم کو زندگی بخشتی ہے اس لیے فلم ساز کو سب سے پہلے اپنی کہانی پر پوری ایمانداری سے کام کرنا چاہیے۔ انہوں نے طلبہ کو مشورہ دیتے ہوئے کہا کہ اسکرپٹ رائٹنگ میں کرداروں کی انشیاں، مکالموں کی فطری روانی اور منظر نامے کی معنویت پر خاص توجہ دینی چاہیے۔ اسٹوری بورڈنگ کے مرحلے کو انہوں نے فلم کا "نقشہ" قرار دیا جو ہدایت کار کو اپنے تخلیقی ویژن کو عملی جامہ پہنانے میں مدد دیتا ہے۔ سمیت تیواری نے ایک لائیو ڈیمو سیشن میں طلبہ کے ساتھ ایک شارٹ فلم کی شوٹنگ بھی کرائی جس کے دوران

طلبہ نے کیمرا، ایٹنگ، نیچر یو ٹریسٹ، سائڈ ریکارڈنگ اور ویڈیو کیڈزنگ کا عملی تجربہ حاصل کیا۔ اپنے خطاب کے اختتام پر سمیت تیواری نے کہا کہ فلم ایک ایجابی فن ہے جس میں ٹیم ورک، صبر اور سلیقہ لازمی ہے۔ انہوں نے طلبہ کو یقین دلایا کہ اگر وہ تگ و مشق اور مطالعہ کے ساتھ آگے بڑھیں تو ان کے لیے فلم انڈسٹری میں کامیابی کے دروازے ضرور کھلیں گے۔ شعبہ صحافت و اخبار عامہ کی ایچ آر ج ڈاکٹر زہرا بیگم نے جوہری نے بتایا کہ یہ ورکشاپ شعبے کی باقاعدہ تعلیمی سرگرمیوں کا حصہ ہے جس کا مقصد طلبہ کو عملی تربیت فراہم کرنا ہے۔ ان کے مطابق فلم میکنگ صرف تکنیک نہیں بلکہ ایک فن ہے جو سوچنے، دیکھنے اور پیش کرنے کا نیا طریقہ سکھاتی ہے۔ اس ورکشاپ میں ڈاکٹر چندر شیکھر، ڈاکٹر کالم رضوی، ڈاکٹر محمد نصیب کے علاوہ طلبہ بھی موجود تھے۔



फार्मेसी के डॉ. शुभम कोयंगारिसर्चर अवार्ड

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय में 64 वें राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के अन्तर्गत तीन दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ड्रग डिस्कवरी, डेवलपमेंट एंड ड्रग डिलीवरी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण में हुए सम्मेलन में देश विदेश के जाने माने वैज्ञानिकों ने पदार्पण किया जिसमें दवा अनुसंधान, नवाचार और नियामक विज्ञान पर व्यापक चर्चा हुई। फार्मेसी संकाय के शिक्षक डॉ. शुभम रस्तोगी को यंगरिसर्चर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक रैली निकली गयी।

लखनऊ, शनिवार, 15 नवंबर 2025

10

केएमसी छात्रों को विधिक जानकारी दी

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में बाल दिवस पर आयोजित कार्यशाला में बाल अधिकारों का संवैधानिक आधार व विधिक संरक्षण पर जानकारी दी गई। विधि अध्ययन संकाय और राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से हुए कार्यक्रम में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। प्रो. मसूद आलम ने विद्यार्थियों को कर्तव्यों व जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया।

भाषा विश्वविद्यालय के छात्र निर्भय राज ने ताइवान में जीता स्वर्ण पदक



जनसंदेश टाइम्स लखनऊ।
ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के एमबीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र निर्भय राज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने 24 से 26 अक्तूबर तक ताइवान के ताइपई शहर स्थित ताइपे अरेना स्टेडियम में आयोजित नवीं विश्व ताई ची प्रतियोगिता में भाग लेकर पुश हैंड इवेंट के 55 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया। प्रतियोगिता में दो प्रमुख श्रेणियां ताई

ची और पुश हैंड। निर्भय ने पुश हैंड वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार मुकाबलों में से पहले जापान और फिर मलेशिया के खिलाड़ियों को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। निर्भय वर्ष 2021 से लखनऊ स्थित ड्रैगन एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट में ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी के निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसी वर्ष हैदराबाद में आयोजित 16वीं राष्ट्रीय कुंग फू प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने भारतीय टीम में जगह बनाई थी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने निर्भय को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है।

लखनऊ विवि की डॉ. सौम्या सिंह और भाषा विवि के डॉ. शुभम को अवॉर्ड

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय में चल रहे तीन दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ड्रग डिस्कवरी का रविवार को समापन हो गया। कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अगुवाई में हुए सम्मेलन में देश-विदेश से आए प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने दवा अनुसंधान, नवाचार आदि पर विस्तृत चर्चा की।



लखनऊ

विश्वविद्यालय की
असिस्टेंट प्रोफेसर

लखनऊ विवि की डॉ. सौम्या सिंह को मिला
यंग अचीवर्स रिकॉग्निशन अवॉर्ड। स्रोत : विवि

डॉ. सौम्या सिंह को यंग रिसर्चर रिकॉग्निशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. सौम्या ने शोध 'डायबेटिक रेटिनोपैथी' पर व्याख्यान दिया। यह शोध हाल ही में एससीआई जर्नल में प्रकाशित हुआ है। उनके शोध का मुख्य फोकस मधुमेहजनित आंखों की गंभीर जटिलता-डायबेटिक रेटिनोपैथी के लिए प्रभावी नैनोफॉर्म्यूलेशन विकसित करना है, जो आंखों की दृष्टि हानि को रोकने में सहायक हो सकता है। इसके अलावा डॉ. शुभम रस्तोगी को उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए यंग रिसर्चर अवॉर्ड से नवाजा गया। यह अवार्ड उन्हें स्तन कैंसर के उपचार में पीएचडी-टू एंजाइम के सक्रियण पर उनके शोध के लिए मिला। फार्मेसी जगत में विशिष्ट योगदान के लिए स्टेट ड्रग मैनुफैक्चरिंग एसोसिएशन के मैनेजिंग डायरेक्टर वीर अंजनी सक्सेना को सम्मानित किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

VIII दैनिक जागरण लखनऊ, 8 नवंबर, 2025



विद्यार्थियों ने किया इंडस्ट्री का भ्रमण

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों ने पीएन इंडस्ट्री का भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं, नवीन तकनीकों तथा सुरक्षा उपकरणों के

निर्माण की व्यावहारिक जानकारी देना था। सुरक्षा उपकरणों के डिजाइन, गुणवत्ता नियंत्रण और परीक्षण प्रक्रियाओं के बारे में तकनीकी विशेषज्ञों से जाना। भ्रमण में इंजीनियरिंग संकाय के निदेशक डा. राजेंद्र त्रिपाठी शामिल रहे। वि.

भाषा विवि के छात्रों ने सीखी फ़िल्म निर्माण की बारीकियाँ



अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आज एक दिवसीय फिल्म मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन बड़े उत्साह और रचनात्मक माहौल में अटल हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो अजय तनेजा के सरंक्षण में हुआ। इस वर्कशॉप का उद्देश्य विद्यार्थियों को सिनेमा निर्माण की व्यावहारिक प्रक्रिया, तकनीकी पक्षों और रचनात्मक दृष्टिकोण से अवगत कराना था। प्रो० तनेजा ने कहा कि सिनेमा हमारे समाज की भावनाओं, विचारों और संघर्षों का प्रतिबिंब है। युवाओं को इसकी भाषा सीखनी चाहिए ताकि वे अपने विचारों

को सार्थक दृश्य रूप दे सकें। मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध फिल्म मेकर हेमंत तिवारी ने विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण के विभिन्न चरणों स्क्रिप्ट लेखन, स्टोरीबोर्डिंग, कैमरा हैंडलिंग, लाइटिंग, एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन की गहराई से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन से भी उत्कृष्ट शॉर्ट फिल्में बनाई जा सकती हैं, बशर्ते दृष्टिकोण और विचार मजबूत हों। वर्कशॉप में उन्होंने अपनी फिल्म कृष्ण अर्जुन के विषय में भी बताया। उनकी फिल्म एक वन शॉट फिल्म है और यूट्यूब जैसे व्यापक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर रिलीज़ की गई है। पूर्व में भी उनके द्वारा लोमड़ जैसी वन शॉट फिल्म रिलीज़ की गई जिसको कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में सराहा गया है।

एक नजर में

डा. शुभम और डा. सौम्या को मिला यंग रिसर्चर सम्मान

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती
भाषा विश्वविद्यालय के फार्मैसी
संकाय की ओर आयोजित सात
दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस
आनड्रग डिस्कवरी, डेवलपमेंट एंड
ड्रग डिलीवरी का समापन हो गया।
इस अवसर पर देश विदेश के
विज्ञानियों ने दवा अनुसंधान, नवाचार
और नियामक विज्ञान पर व्यापक चर्चा
की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के
फार्मैसी संकाय के शिक्षक डा. शुभम
रस्तोगी को यंग रिसर्चर पुरस्कार से
सम्मानित किया गया। उन्हें यह
सम्मान पीएचडी-2 एंजाइम के
सक्रियण पर किए गए शोध कार्य के
लिए दिया गया। वहीं, लखनऊ
विश्वविद्यालय के फार्मैसी संकाय की
डा. सौम्या सिंह को यंग रिसर्चर
रिकांशिन पुरस्कार दिया गया। वि.

भाषा विश्वविद्यालय में एक दिसंबर से विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं

परीक्षा नियंत्रक ने समय सारिणी पर सात तक मांगी आपत्ति

जास • लखनऊ : छात्रा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की प्रस्तावित समय सारिणी जारी कर दी है। परीक्षाएं एक से 20 दिसंबर तक प्रस्तावित की गई हैं। इस बार सात नवंबर को शाम चार बजे तक आपत्ति दी जा सकती है।

परीक्षा नियंत्रक विकास ने बताया कि छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट <https://kmdu.ac.in/> के माध्यम से विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम डाउनलोड कर सकते हैं। यदि इस पर किसी विद्यार्थी को कोई आपत्ति है तो वह अपना प्रार्थना पत्र विभागाध्यक्ष से अग्रसारित कराकर सात दिसंबर तक परीक्षा विभाग में अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें।

फार्म भरने के लिए दिया अंतिम मौका: विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के फार्म भरने के लिए छात्र-छात्राओं को अंतिम मौका पांच नवंबर तक दिया है। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी पत्र के अनुसार कई छात्र-छात्राओं को मौका दिए जाने के बाद भी उन्होंने 30 अक्टूबर तक परीक्षा फार्म नहीं भरा, जिस पर कुलपति ने नाराजगी भी जताई है। ऐसे विद्यार्थियों ने यदि अब दी गई तिथि तक फार्म नहीं भरा तो आगे मौका नहीं दिया जाएगा। इसके लिए विद्यार्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे।



केएमसी भाषा विश्वविद्यालय

शकुंतला विश्वविद्यालय में आज तक समय



डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने परिसर एवं संबद्ध कालेजों के विद्यार्थियों को विषम सेमेस्टर स्पेशल बैक पेपर/इम्पूवमेंट परीक्षा वालों को फार्म भरने के लिए तीन नवंबर तक समय दिया है। अभी तक 30 अक्टूबर तक तिथि तय की। परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार मिश्रा ने पत्र जारी किया है।

इग्नू ने जारी किया संशोधित परीक्षा कार्यक्रम : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने दिसंबर 2025 में होने वाली सत्रांत परीक्षाओं की संशोधित समय सारिणी जारी की है। यह परीक्षाएं एक दिसंबर से शुरू होंगी। विद्यार्थी वेबसाइट <https://www.ignou.ac.in/> इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

बीएससी की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 10 से

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बी.एससी. केमिस्ट्री पहले व तीसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाओं की समय सारिणी जारी की है। तीसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 10 से 12 नवंबर और तीसरे सेमेस्टर की दो से चार दिसंबर तक होगी। वहीं, बी.एससी. पाठ्य सेमेस्टर केमिस्ट्री में इंटरमीडिएट की वायदा परीक्षा 21 नवंबर को दोपहर 12 बजे से होगी।

विभागाध्यक्ष प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि एम.एससी. केमिस्ट्री की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 13 नवंबर से 12 दिसंबर तक होंगी।

नकल में पकड़े गए छात्रों से पांच तक मांगा जवाब

डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने सत्र 2024-25 के सम सेमेस्टर के प्रथम व द्वितीय चरण की परीक्षाओं में नकल में पकड़े गए छात्र-छात्राओं से पांच नवंबर तक ई-मेल के जरिए स्पष्टीकरण मांगा है। जवाब न आने पर मान लिया जाएगा कि विद्यार्थी को कुछ नहीं कहना है। कार्यावाहक परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार ने इस संबंध में सूचना जारी की है।

ہندوستان نے جی 20 کو عالمی انسانی تحریک کا روپ دیا: پروفیسر منو کا کھنہ

لکھنؤ: خواجہ معین الدین چشتی لینکو تاج یونیورسٹی میں جی 20 اعلامیہ اور ہندوستانی نوجوانوں کی صلاحیتوں کا فروغ: مسائل و امکانات دو روزہ سیمینار کا انعقاد کیا گیا۔ آج سیمینار کے پہلے دن افتتاحی اجلاس کے ساتھ

پائیداری، شمولیت اور اختراع کو جس طرح مرکز توجہ بنایا ہے وہ براہ راست نوجوان نسل کی توانائی، فکر اور قیادت سے جڑا ہوا ہے۔ اس افتتاحی اجلاس کی صدارت کرتے ہوئے لینکو تاج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اے

انسانی ترقی کی اصل بنیاد نوجوان نسل کی صلاحیتوں پر استوار ہے۔ لکھنؤ یونیورسٹی کے وائس چانسلر اور مہمان خصوصی پروفیسر منو کا کھنہ نے اس موضوع پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ ہندوستان کے نوجوان آج اس عہد کے سب

دو تکنیکی اجلاس منعقد کیا گیا۔ اس سیمینار کے آغاز میں ڈاکٹر غنی مشرا نے مہمانوں کا شکریہ ادا کرتے ہوئے سیمینار کے موضوع اور اس کی اہمیت و معنی خیزیت پر گفتگو



سے بڑے سرمایہ ہیں اور ایک ایسی قوت جو تخلیق بھی کر سکتی ہے، قیادت بھی کر سکتی ہے اور دنیا کو نئی سمت بھی دے سکتی ہے۔ ہمارے نوجوان آج سائنس، ٹیکنالوجی، فنون، ادب اور معیشت کے ہر میدان میں اپنی شناخت قائم کر رہے ہیں۔ اس سیمینار کے دونوں تکنیکی اجلاس میں اس اہم موضوع کے تعلق سے مقالہ نگاروں نے اپنے مقالے پیش کئے جن پر سوالات بھی قائم کئے گئے اور مقالہ نگاروں نے ان کے تشفی بخش جوابات بھی دیئے۔ اس سیمینار مختلف شعبوں کے اساتذہ کے علاوہ طلبہ نے بھی کثرت کے ساتھ شرکت کی۔

نتیجہ نے کہا کہ ہندوستان نے جی 20 اعلامیہ اعلامیہ کو ایک زمین، ایک خاندان اور ایک مستقبل کے پیغام کے ساتھ نئی روح عطا کی اور یہ پیغام محض ایک سیاسی نعرہ نہیں بلکہ ایک تہذیبی تصور ہے جو ہمیں یاد دلاتا ہے کہ

کرتے ہوئے کہا کہ یہ ایک نہایت اہم اور بڑا وقت موضوع ہے۔ آج جب دنیا ایک نئے عالمی نظم کی تشکیل کے مرحلے سے گزر رہی ہے تو ہندوستانی نوجوان اس تبدیلی کے محور بن کر ابھر رہے ہیں۔ جی-20 کے اعلامیہ نے ترقی،

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर रन फॉर यूनिटी और विचार गोष्ठी का भव्य आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ । ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में भूगोल विभाग द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सरदार पटेल के आदर्शों को समर्पित रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मंजुल त्रिवेदी ने अपने प्रेरणादायक विचारों से विद्यार्थियों को सरदार पटेल के जीवन, उनके समर्पण और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से अवगत कराया। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प और संगठन कौशल से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

इस अवसर पर विकसित उत्तर प्रदेश @2047 विषय पर एक विचारोत्तेजक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें अर्थशास्त्र विभाग के विषय प्रभारी डॉ. राहुल कुमार मिश्रा ने विकसित भारत 2047 एवं विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. मिश्रा ने



बताया कि भारत को उच्च आय वर्ग वाले देशों की श्रेणी में शामिल होने के लिए 7.5% वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी तथा प्रति व्यक्ति आय को 14,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक तक पहुँचाना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के लिए जो रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, उसके अंतर्गत प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए मैक्सिमम गवर्नेंस, डिजिटल गवर्नेंस, सुरक्षा, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और निवेश आकर्षित करने जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

विचार गोष्ठी में प्रो. सैयद हैदर अली ने अपने वक्तव्य में कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई नई शिक्षा नीति (NEP) ने शिक्षा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। उन्होंने कहा कि यह नीति न केवल शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, समावेशी और कौशल आधारित बना रही है, बल्कि यह युवाओं को आत्मनिर्भर और नवाचारोन्मुख बना रही है। प्रो. अली ने यह भी कहा कि शिक्षा में इस परिवर्तन का सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है – क्योंकि गुणवत्तापूर्ण और कौशल आधारित शिक्षा से प्रशिक्षित मानव संसाधन राष्ट्र की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को बढ़ा रहे हैं।

नष्पक्ष दृश्य

हजार अरब वेतन पैकेज पाने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति

● लखनऊ ● शनिवार 08 नवम्बर 2025 ● मूल्य- तीन रुपए ● पृष्ठ-8 ●

भाषा विवि के छात्र निर्भय राज ने ताइवान में जीता स्वर्ण पदक

एनडीएस ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि, लखनऊ के एमबीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र निर्भय राज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने 24 से 26 अक्टूबर 2025 तक ताइपई शहर (ताइवान) के ताइपे अरेना स्टेडियम में आयोजित नवीं विश्व ताई ची प्रतियोगिता में भाग लेकर पुश हैंड इवेंट के 55 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया।

इस प्रतियोगिता में दो प्रमुख श्रेणियाँ थीं – ताई ची और पुश हैंड। निर्भय राज ने पुश हैंड स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार मुकाबलों में से पहले जापान और दूसरे मलेशिया के खिलाड़ियों को पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया। इस



प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को अपने विरोधी के संतुलन को तोड़ते हुए अंकों के आधार पर नॉकआउट मुकाबले जीतने होते हैं। निर्भय राज वर्ष 2021 से स्थानीय ड्रैगन एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट में श्री ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी के संरक्षण में पुश हैंड का नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसी वर्ष जनवरी माह में हैदराबाद में आयोजित

16वीं राष्ट्रीय कुंग फू प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने भारतीय टीम में अपनी जगह बनाई थी। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने निर्भय राज को बधाई देते हुए कहा, हमारे विश्वविद्यालय के छात्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतना न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि पूरे प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। निर्भय राज ने यह सिद्ध किया है कि समर्पण और अनुशासन से हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। विश्वविद्यालय परिवार उनकी इस सफलता पर गर्व महसूस करता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ देता है। भाषा विश्वविद्यालय परिवार ने निर्भय राज की इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

भाषा विवि में नए पीएचडी शोधार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन

नेक्स्ट मीडिया

लखनऊ छात्राजा मुहंनुद्दीन चिरती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में पीएचडी शोधार्थियों के लिए एक स्वागत और परिचय कार्यक्रम आयोजन विवि के अटल हॉल में किया गया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य नए शोधार्थियों को संस्थान की नीतियों, शोध प्रक्रियाओं, और अकादमिक संसाधनों से परिचित कराना था। ओरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। जिसके बाद सभी अतिथियों का स्वागत शील और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का स्वागत भाषण देते हुए प्रो चन्दना डे ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय में उन्नत लाइब्रेरी, डिजिटल संसाधन केंद्र और अनुसंधान मार्गदर्शन समितियाँ उपलब्ध हैं। वहाँ डेस्कटॉप पब्लिशिंग,

वीडियो प्रोडक्शन और आईसीटी आधारित कोर्स आपके कौशल को निखारेंगे। प्रो डे ने मुख्य वक्ता का स्वागत और परिचय भी कराया। कार्यक्रम की अगली धृष्टि में मीडिया समन्वयक डॉ रुचिता सुजय चौधरी ने विश्वविद्यालय के पीएचडी ऑर्डिनेंस के माध्यम से सभी शोधार्थियों को अवगत कराया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो अजय तनेजा ने नवागंतुक पीएचडी शोधार्थियों का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम आपके शोध यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है, जहाँ शोध अध्ययन आपको उच्च शिक्षा के मूल्यों, अनुसंधान की चुनौतियों और अवसरों से परिचित कराता है। माननीय कुलपति प्रो अजय तनेजा ने शोध की अवधारणा और उसकी बारीकियों पर प्रकाश डाला



साथ ही कहा कि किसी भी विभाग के लिए शोधार्थी मील का पत्थर साबित होंगे। प्रो तनेजा ने अपने संबोधन में नए शोधार्थियों को शिक्षण व अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कर्ष की कामना की और संस्थान में उपलब्ध सहयोगी माहौल पर भी प्रकाश डाला। प्रो तनेजा ने कहा कि शोधार्थियों के अध्ययन के विषय इंटरस्टीज बेस्ड होना चाहिए ताकि भविष्य के लिए समाज लाभान्वित हो सके। कुलपति ने सभी शोधार्थियों को

ज्ञान के साथ नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। आपने कहा कि सभी शोधार्थियों को S.O तकनीक को जल्द से जल्द सीखने की आवश्यकता पर भी बल दिया। प्रो तनेजा ने कहा कि सभी शोधार्थियों को अपने पर्वक्षेपक के साथ ही मिलकर शोध की यात्रा को त्व करना होता है। प्रो तनेजा ने शोधार्थियों को भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए शोध की यात्रा के लिए भावा विवि के पूर्ण सहयोग की अपील भी की।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो दिनेश सिंह, विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र ने सभी शोधार्थियों को समझाते हुए बताया है कि सभी शोधार्थियों को शोध का विषय प्रामाणिक होना चाहिए। आपने शोध के महत्वपूर्ण पहलुओं, शोध नैतिकता, प्रकाशन प्रक्रियाओं और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही, शोधार्थियों को उनके अकादमिक सफर के लिए प्रेरित करते हुए, उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। प्रो सिंह ने कहा कि पीएचडी एक ऐसा सफर है जो न केवल ज्ञान अर्जित करता है, बल्कि समाज को नई दिशा भी प्रदान करता है। स्वास्थ्य संचार, जनसंचार और भाषा अध्ययन जैसे क्षेत्रों में आपकी भूमिका नवीन मोड़ों और भारतीय ज्ञान प्रणाली को मजबूत करने वाली होगी। अनुशासन, मौलिकता और नैतिकता के साथ आगे बढ़ें, ताकि

आप विश्व स्तर पर योगदान दे सकें। प्रो सिंह ने उच्च सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट, वन यूनिवर्सिटी की भी सराहना करते हुए इसके लिए तैयार होने की शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रो दिनेश सिंह ने शोध के शीर्षक के चयन और शोध के अध्ययन की बारीकियों से समझाया। प्रो सिंह ने जर्नल और पुस्तकों के अध्ययन पर विशेष जोर दिया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में शोधार्थियों ने अपने प्रश्नों के समाधान भी प्राप्त किए और भविष्य की चुनौतियों के लिए आत्मविश्वास महसूस किया। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ रुचिता सुजय चौधरी ने दिया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में प्रो हेमंत अली, प्रो तनवीर खदीजा, डॉ नीरज शुक्ल, डॉ मनीष कुमार, डॉ लक्ष्मण सिंह सहित सभी शोध पर्यवेक्षक और सभी शोधार्थी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

Cam

विलंब शुल्क के साथ 10 तक भरें परीक्षा फॉर्म

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने स्नातक व परस्नातक के विद्यार्थियों को अब 10 नवंबर तक परीक्षा फॉर्म भरने का मौका दिया है लेकिन इसके लिए 500 रुपये विलंब शुल्क देना होगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अताउर रहमान ने स्पष्ट किया कि निर्धारित अवधि के बाद फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इस संबंध में सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, विषय प्रभारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि व अपने स्तर पर सभी विद्यार्थियों के समय से फॉर्म भरवाएं। (संवाद)